डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें - 9799559096 0141-4982834

रॉयल पत्रिका

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें? और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 21 | अंक : 14 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 04 मई से 10 मई 2026 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

देश में आगामी चुनावों में भाजपा और कांग्रेस में होगा घमासान

मुन्ना खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । पांच विधानसभा चुनाव के परिणाम 4 मई 2026 को देश के सामने आ गए । पांच विधानसभा चुनावों के परिणाम भविष्य में देश की राजनीति को ज़रूर प्रभावित करेंगे । पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के जो परिणाम आए हैं, उनसे पता चलता है कि देश के कौन से लोकप्रिय नेता हैं और किन को जनता पसंद नहीं करती है। पश्चिमी बंगाल में तृणमूल कांग्रेस का हारना और भाजपा का सत्ता में आना भाजपा की मजबूत चुनावी रणनीति और मजबूत संगठन एवं सरकारी मशीनरी का मिला-जुला परिणाम माना जा सकता है। भाजपा ने असम, पश्चिमी बंगाल एवं पांडिचेरी में सरकार बना ली है। पश्चिमी बंगाल में भाजपा की सरकार बनना पार्टी के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। असम में भाजपा की सरकार की संभावना पहले ही जताई जा रही थी। पांच में से तीन प्रदेशों में जहां विधानसभा चुनाव हुए हैं, वहां मुसलमानों की जनसंख्या 30-35 प्रतिशत तक मानी जाती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी देश के लोकप्रिय चेहरे हैं-

पांच विधानसभा चुनावों में लगातार चले चुनाव प्रचार में यह बात साबित हो गई कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अभी भी लोकप्रिय एवं करिश्माई नेता देश में बने हुए हैं । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनावी सभा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और उनकी बातें सुनी, उनके भाषण पसंद किये। भाजपा के चुनावी रणनीतिकार गृहमंत्री अमित शाह का भी कोई मुकाबला नहीं है। अमित शाह देश के ऐसे नेता हैं जो असंभव को संभव बना देते हैं । बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिमी बंगाल, हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश ऐसे ही राज्यों में आते हैं जहां अमित शाह की चुनावी रणनीति के कारण ही चुनाव जीते गए हैं । नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की लोकप्रियता में दिनों-दिन बढ़ोतरी हो रही है । जनता राहुल गांधी की बातों पर विश्वास करने लगी है । राहुल गांधी देश के ऐसे नेता बनकर उभरे हैं जो सरकार की गलत नीतियों की खुलकर आलोचना करते हैं और किसी से नहीं डरते हैं । राहुल गांधी की छवि निडर एवं मेहनती नेता की बन गई है । सरकार राहुल गांधी को किसी भी तरह दबाव में नहीं ले सकती है, क्योंकि वह निडर नेता हैं ।

चुनावों में मुसलमानों का योगदान-

देश के मुसलमानों का राजनीतिक मिजाज़ बदल रहा है । पहले की तरह मुसलमानों की किसी पार्टी को हराने एवं जिताने की आदत घटती जा रही है । विपक्षी दल अब भाजपा के डर से मुसलमानों के वोट नहीं हड़प सकते हैं । मुसलमान अपने फायदे और अच्छे नेताओं को वोट देने लगा है । भाजपा की जीत में मुसलमानों के विपक्षी नेताओं का बड़ा योगदान है, जिनमें पश्चिमी बंगाल में बाबरी मस्जिद की नींव रखने वाले हुमायूं कबीर और एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी एवं असम में एआईयूडीएफ के बदरुद्दीन अजमल । ये नेता भाजपा को हराने की राजनीति करके चर्चा में रहते हैं, लेकिन चुनाव में बड़ा फायदा भाजपा को ही मिलता है । इन मुस्लिम नेताओं ने कथित सेक्युलर नेताओं की पोल खोलने का काम भी किया है और उन्हें चुनावों में हराने का काम भी किया है ।

गैर कांग्रेस विपक्षी पार्टियों का कमजोर होना कांग्रेस के लिए फायदेमंद हो सकता है-

चुनावों में धीरे-धीरे गैर कांग्रेसी विपक्षी पार्टियों का चुनावों में कमजोर प्रदर्शन और उनका कमजोर हो जाना मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस को आगामी चुनावों में फायदा हो सकता है । विपक्ष का वोटर जो भाजपा का विरोध करता है, आगामी चुनावों में कांग्रेस के साथ लामबंद हो सकता है । देश की जनता धीरे-धीरे दो मुख्य पार्टियों में मुकाबला देखना चाहेगी । विपक्ष की विभिन्न पार्टियों का इसी तरह कमजोर होना भविष्य में भाजपा के लिए नई चुनौती बन सकता है । क्योंकि भाजपा हमेशा विपक्षी घटक दलों में वोटों के बंटवारे के कारण जीतती रही है । देश में कोई माने या नहीं माने कांग्रेस की स्वीकार्यता बढ़ती जा रही है । वैसे भी भाजपा केवल अपने कैडर नेताओं के भरोसे नहीं रहती है । भाजपा में ज्यादातर नेता दूसरी पार्टियों से ही आते हैं, भविष्य में यह प्रवृत्ति भाजपा के लिए नुकसानदायक हो सकती है ।

भाजपा और कांग्रेस दोनों को चुनावों में बढ़त-

भाजपा ने पांच विधानसभा चुनावों में से तीन राज्यों में सरकार बना ली है। जिनमें से असम और पांडिचेरी में पहले से भाजपा की सरकारें थीं । पश्चिमी बंगाल में भाजपा की सरकार बन जाना पार्टी के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है । इसी तरह कांग्रेस पार्टी केरल में 10 वर्ष बाद चुनाव जीतकर सत्ता में आई है। तमिलनाडु में भी नई पार्टी के साथ जो सरकार बनाने जा रही है, कांग्रेस का समर्थन दिया जा सकता है। पांच विधानसभा चुनावों से भारतीय राजनीति में संकेत मिलने लगे हैं कि मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मजबूत हो रहे हैं।

30 हजार से अधिक चंदन के पौधों का होगा रोपण- मुख्यमंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार द्वारा बांसवाड़ा के झांतलिया, उदयपुर के बांकी एवं सिरोही के जनापुर में चंदन वन विकसित किए जाएंगे। इन प्रत्येक चंदन वन में 10 हजार से अधिक चंदन के पौधे रोपित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित बैठक में इन चंदन वनों के लिए गुणवत्तापूर्ण पौधों का चयन करने तथा इनकी सुरक्षा के लिए चयनित स्थानों पर फेंसिंग के कार्य एवं सिंचाई के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्ग-दर्शन में बांसवाड़ा, उदयपुर एवं सिरोही में चंदन वनों की स्थापना से राजस्थान की वन-धन संपदा और अधिक समृद्ध होगी। साथ ही, भविष्य में अन्य जिलों में भी चंदन वन विकसित करने की संभावनाएं तलाशी जाएंगी। उन्होंने अधिकारियों को चंदन वन पौधारोपण कार्य में मानसून से पूर्व गड्ढ़े खुदाई, फेंसिंग कार्य सहित अन्य सभी तैयारियां निर्धारित समय पर पूरी करने के लिए निर्देशित किया।

किसानों को फलदार पौधे उपलब्ध करवाएगी राज्य सरकार

शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसानों की आय में वृद्धि के लिए राज्य सरकार किसानों को फलदार पौधे उपलब्ध करवाएगी। ऐसे में वन विभाग फलदार पौधों के वितरण की भी योजना बनाए। उन्होंने पहाड़ी एवं वन क्षेत्रों में ड्रोन सीडिंग एवं अरावली क्षेत्र में सघन वृक्षारोपण के भी निर्देश दिए। शेष पृष्ठ 2 पर....

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने की विकास कार्यों की समीक्षा

-बजट के समय प्रोजेक्ट की लागत का सही आंकलन करें, ताकि समय पर निर्माण पूरा हो सके- दिया कुमारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने निर्देश दिए हैं कि अधिकारी बजट के प्रस्ताव भिजवाते समय ही प्रोजेक्ट की लागत का सही आंकलन करें ताकि प्रोजेक्ट में अनावश्यक देरी ना हो। उन्होंने कहा की सरकार की मंशा के अनुरूप बजट घोषणाओं का आमजन को लाभ मिल सके । इसके लिए प्रोजेक्ट्स का समय पर पूरा होना जरूरी है। निर्माण भवन के सभागार में शनिवार को आयोजित पीडब्ल्यूडी की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने ये निर्देश दिए। उन्होंने कुछ प्रोजेक्ट्स के बार-बार अलाइनमेंट बदलने और लागत में वृद्धि पर नाराजगी जताते हुए निर्देश दिए कि अधिकारी प्राथमिक स्तर पर प्रस्ताव बनाते समय ही प्रोजेक्ट की संभावित लागत और अलाइनमेंट का बारीकी से आंकलन करके प्रस्ताव तैयार करें। उन्होंने बयाना बाईपास, बारां- अटरू आरओबी, जैतूपुरा-जयसिंहपुरा, भादरा बाईपास, नसीराबाद-सारवाड़-केकड़ी-देवली सड़क, मेज नदी पर हाई लेवल ब्रिज, सलूम्बर बाईपास सहित विभिन्न प्रोजेक्ट्स निर्माण में देरी के कारणों की समीक्षा कर इन्हें जल्द से जल्द चालू करवाने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने बजट घोषणाओं की प्रगति के की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता के साथ तेजी से निर्माण कार्य पूरा करवाने के निर्देश दिए। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने एनएच, एनएचएआई, सीआरआईएफ, आरएसआरडीसी सहित विभिन्न सड़क एवं अवसंरचनात्मक परियोजनाओं की बिन्दुवार समीक्षा की। बैठक में राज्य मंत्री मंजू बाघमार, विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, शासन सचिव डी आर मेघवाल, मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव सुनील जय सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

ऑपरेशन सिंदूर: सेनाओं के शौर्य का प्रतीक

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के एक वर्ष पूर्ण होने पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह ऑपरेशन भारतीय सेनाओं के साहस और क्षमता का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब देकर देश का सिर गर्व से ऊंचा किया गया। यह ऑपरेशन आधुनिक टेक्नोलॉजी वॉरफेयर का उदाहरण रहा, जिसमें आकाश मिसाइल सिस्टम, ब्रह्मोस सहित उन्नत हथियारों का उपयोग हुआ। 'नॉर्थ टेक सिम्पोजियम' में बोलते हुए उन्होंने कहा कि बदलते युद्ध स्वरूप में अब नई तकनीकें निर्णायक भूमिका निभा रही हैं, इसलिए सेनाओं को प्रोएक्टिव रहना जरूरी है। उन्होंने बताया कि घरेलू रक्षा उत्पादन 2025-26 में 1.54 लाख करोड़ रुपये और निर्यात 38,424 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। रक्षामंत्री ने कहा कि भविष्य के युद्ध आज की रिसर्च लैब्स में तय हो रहे हैं और सरकार डिफेंस रिसर्च व इंडस्ट्री को लगातार मजबूत कर रही है।

हज के नाम पर सरकारी लूट, 10 हजार की जबरन वसूली

-खराब व्यवस्थाओं पर हाजियों का विरोध, हज उड़ानों के बाद बढ़ी मुश्किलें

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। 20 अप्रैल से 28 अप्रैल तक हज यात्रियों की उड़ानें पूरी कराई गईं और अंतिम फ्लाइट 28 अप्रैल को रवाना हुई। लेकिन हैरानी की बात यह है कि जब सभी हाजी सऊदी अरब पहुंच चुके, उसके बाद अचानक अतिरिक्त शुल्क की मांग सामने आई। इससे यात्रियों में नाराजगी और चिंता दोनों बढ़ गई हैं। सवाल यह उठ रहा है कि जब पूरी प्रक्रिया पहले ही तय हो चुकी थी, तो बाद में यह आर्थिक बोझ क्यों डाला गया?

दस हजार रुपये की नई मांग पर विवाद

राजस्थान हज वेलफ़ेयर सोसाइटी के महासचिव हाजी निजाम के अनुसार, हज प्रक्रिया के सभी टेंडर और तैयारियां लगभग आठ महीने पहले पूरी हो चुकी थीं। इसके बावजूद अब प्रत्येक हाजी से 10,000 रुपये अतिरिक्त मांगे जा रहे हैं, जिसे उन्होंने पूरी तरह अनुचित बताया। उनका कहना है कि हाजी सीमित पैसे लेकर जाते हैं, ऐसे में वहां अतिरिक्त रकम मांगना उन्हें परेशान करने जैसा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि इस तरह के दबाव में आकर भुगतान न करें।

कुर्बानी और अन्य खर्चों पर सवाल

मामले में कुर्बानी के नाम पर भी 17,000 रुपये प्रति हाजी वसूले जाने की बात सामने आई है। हाजी निजाम का आरोप है कि यह व्यवस्था भी एक तरह से जबरन थोपी जा रही है, जबकि पहले ऐसा सिस्टम नहीं था। उनका कहना है कि यह पूरी प्रक्रिया श्रद्धा के बजाय कमाई का जरिया बनती जा रही है।

स्मार्ट वॉच बनी विवाद की वजह

हाजियों को दी गई स्मार्ट वॉच पर भी गंभीर सवाल उठे हैं। शिकायत है कि यह वॉच चार घंटे चार्ज करने के बाद भी केवल 10-15 मिनट ही चलती है। ग्रामीण इलाकों से आए कई हाजी इसे इस्तेमाल करना भी नहीं जानते, ऐसे में इसे बेकार और अनावश्यक खर्च बताया जा रहा है। हाजी निजाम ने इसे "पैसा कमाने का नया तरीका" करार दिया।

रिफंड और पारदर्शिता पर उठे सवाल

पिछले साल के कुछ हाजियों को ही रिफंड मिलने की बात सामने आई है, जबकि कई लोग अब भी इंतजार कर रहे हैं। हाजी निजाम का कहना है कि केवल शिकायत करने वालों को ही पैसे लौटाए जा रहे हैं, जो कि गलत है। उनका मानना है कि सभी हाजियों के साथ समान व्यवहार होना चाहिए।

इबादत या आर्थिक बोझ?

पूरे मामले ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या हज यात्रा अब इबादत से ज्यादा आर्थिक बोझ बनती जा रही है? हाजी निजाम और अन्य लोगों की मांग है कि सरकार पारदर्शिता लाए और हाजियों को राहत दे, ताकि उनकी धार्मिक यात्रा बिना किसी परेशानी के पूरी हो सके।

GRP
Great Reality Plus
Facilities Management Pvt. Ltd.
Real estate | Facilities & Hospitality | Construction Services
For Booking Commercial Space at 150 to 1500 SQ. FT.
Mayank Trade Centre, Station Road, Near.
Chandpole & SindhiCamp Metro Station, Jaipur
For Booking Premium Apartments
4BHK SSB SAPPHIRE
Moti Dungari Road, Opp. Masjid Jinsi, Jaipur
www.greatrealityplus.com greatplusfm03@gmail.com
GreatRealityPlus
+91 8386 94 70 05

जयपुर के 'हार्ट' में बिजनेस को दें नई उड़ान
'मयंक ट्रेड सेंटर' बना नया कॉर्पोरेट हब
शॉप & ऑफिस प्राइस 20 लाख To 2 Cr
100% लोन उपलब्ध

सिंधी कैंप व चांदपोल मेट्रो स्टेशन के पास बेहतरीन कनेक्टिविटी के साथ लिफ्ट पार्किंग सुविधा उपलब्ध
रेंटल इनकम & इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटी
For More Information Please Call 8386947005
शॉप व ऑफिस 150 To 1500 SQ. FT. उपलब्ध
लोअर ग्राउंड, ग्राउंड फ्लोर, 1st, 2nd & 3rd फ्लोर उपलब्ध
मयंक ट्रेड सेंटर, स्टेशन रोड, नियर सिन्धी कैंप मेट्रो स्टेशन, जयपुर 302001

चिश्तिया समाज का जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह में 38 होनहार प्रतिभागियों का सम्मान किया

-शिक्षा से ही समाज का सर्वांगीण विकास सम्भव: लईक अहमद

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका) । चिश्तिया शाह समाज शहर सवाई माधोपुर द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन कर बोर्ड परीक्षाओं में अच्छे अंक पाने वाले समाज के नन्हें सितारे, होनहार छात्र-छात्राओं एवं हाफिजों का जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह रविवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव लईक अहमद के मुख्य अतिथि में दर्सगाह इस्लामिया सीनियर सैकेण्डरी स्कूल शहर सवाई माधोपुर में हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ हाफिज मोहम्मद अलफेज द्वारा कुआन-पाक की तिलावत से किया गया। मुख्य अतिथि लईक अहमद ने अपने संबोधन में यूथ चिश्तिया कमेटी की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि शिक्षा ही वह आधार है, जिससे समाज का सर्वांगीण विकास संभव है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह सफलता किसी एक दिन का परिणाम नहीं है बल्कि इसके लिए बच्चों को आगे भी इसी तरह कड़ी मेहनत और लगन से पढ़ाई करनी होगी। कार्यक्रम को शहर काजी निसार उल्लाह, काजी इरफान उल्लाह और समाज के प्रबुद्धजनों ने भी सम्बोधित किया। इस दौरान अतिथियों द्वारा कक्षा बारहवीं की छात्रा मनतशा बानों, असकाना बानों, नादिया परवीन, सिमरन बानों, निशा बानों, सोनम खान एवं छात्र साकिब अली, ताहिर अहमद, अल्फेज खान को प्रशास्ति पत्र, स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं दसवीं कक्षा के छात्र मोहम्मद इकराज खान, अकरम खान, मोहम्मद फरान, फेजान अली, अल्फेज खान एवं छात्रा फरहीन बानों, आठवीं की छात्रा रिमशा अंजुम, अलफिया बानों, नबिया खानम, आलिया बानों एवं आफताब खान, जोशील अहमद, मोहम्मद फेजान को प्रशास्ति पत्र, स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में मलारना डूंगर, बैरखण्डी, ओलवाड़ा, कुण्डेरा, हाड़ौती, बेहतेड़, मुई कलां तथा कोटा एवं खीमच सहित कुल 38 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिसमें कक्षा बाहरवीं के 10 विद्यार्थियों, दसवीं के 6, आठवीं के 7 और कक्षा पांचवीं के 15 विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

हाफिजों का विशेष सम्मान:-

समारोह के दौरान कुरआन हिफ्ज कर हाफिज का मुकाम हासिल करने वाले मोहम्मद अलफेज, मोहम्मद रेहान और मोहम्मद अलफेज आलम को भी प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। अतिथियो एवं समाज के प्रबुद्धजनों ने उनकी इस उपलब्धि को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

नन्हें बच्चों ने नात पढ़कर दिया भाई चारे का संदेश:-

इस अवसर पर नन्हें बच्चों द्वारा उपस्थित लोगों को "हमने आँखों से देखा नहीं है, मगर उनकी तस्वीर सीने में मौजूद है", "मिला हमेशा चाहत का पैगाम मदरसों से, मत जोड़ों आतंकवाद का नाम मदरसों से" जैसी नात पढ़कर उपस्थित लोगों को भाई चारे का संदेश दिया। इस अवसर पर सदर निसार अहमद, यूथ चिश्तिया कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद शारिफ, सचिव मोहम्मद अकरम, छुट्टन मास्टर, हाजी नासिरूद्दीन सहित कमेटी के समस्त पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य मोहम्मद कलीम, शाहरूख, आमिर, जफरू,इकराम मिस्त्री,शिक्षा अनुदेशक मोहम्मद नईम, अभिभावक एवं आमजन उपस्थित रहे।

राजस्थान सरकार के "ग्राम विकास रथ" के मॉनिटरिंग हेतु भाजपा की बैठक आयोजित

- जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने पदाधिकारियों को दिए सहभागिता के निर्देश

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार द्वारा केन्द्र एवं राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओ की जानकारी हर ग्राम पंचायत स्तर पहुंचाने को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा "ग्राम विकास रथ" रवाना किए गए है। भाजपा जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि सरकार द्वारा भेजे गए विकास रथ हर ग्राम पंचायत पर पहुंचे उसके लिए भाजपा के जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने कहा कि "ग्राम विकास रथ" को लेकर भाजपा संगठन सक्रिय भूमिका में है प्रत्येक पंचायत स्तर पर सरकार के व्यक्ति के साथ-साथ हमारे पार्टी के पदाधिकारी भी हर पंचायत स्तर पर उपस्थित रहेंगे। जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने "ग्राम विकास रथ" की मॉनिटरिंग एवं सफल संचालन हेतु पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ भरतलाल मथुरिया को जिला संयोजक नियुक्त किया है, वही विधानसभा स्तर पर खंडार विधानसभा संयोजक हरिओम गर्ग, सवाई माधोपुर विधानसभा संयोजक लालचंद गौतम, गंगापुर सिटी विधानसभा संयोजक उदयसिंह गुर्जर और बामनवास विधानसभा संयोजक जमनालाल वैष्णव को नियुक्त किया है। जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने एक और जानकारी देते हुए बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा दिनांक 23, 24, 25 मई को ग्राम एग्रीटेक मीट का जयपुर में आयोजन होगा जिसमें प्रतिदिन प्रदेश के हजारों किसान भाग लेंगे, जिनको किसान की उपज डबल हो सके इस विषय के बारे मे बताया जाएगा। इसी क्रम बैठक में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत आयोजित होने वाले दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण के बारे में भी विस्तृत चर्चा हुई, दो दिवसीय आवासीय जिला प्रशिक्षण शिविर दिनांक 16 मई से 17 मई तक बौली में स्थित जगत शिरोमणि सदन में आयोजित होगा, जिसमें भाजपा के लगभग 200 से अधिक अपेक्षित कार्यकर्ता भाग लेंगे।

सुब्हा - सवेरे

दिलों को पढ़ पाने की ताक़त मिली है मुझको
तू है ना बस तेरी सोहबत मिली है मुझको
दरीचे तुमने जो बन्द मुझ-पर किये हैं जबसे
नसीब रुठे के रुठी क़िस्मत मिली है मुझको
अजब तमाशा तेरी गली में हुआ है तबसे
ना तू मिला है ना तेरी अज़मत मिली है मुझको
कभी कभी तो सुब्हा सवेरे मिला करो ना
जो ये समझूं ख़ुदा की रहमत मिली है मुझको
ख़्याल तेरे तरह तरह के सताते हैं अक्सर
तू ना मिली बस तेरी दहशत मिली है मुझको
लहू रगों में जमा हुआ था ये तुम समझ लो
पिघल रहा है तुम्हारी रग़बत मिली है मुझको

-फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव सेवा निवृत्त

अटल पथ स्वीकृति पर ग्रामवासियों ने पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का जताया आभार

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत हाड़ौता में हरिजनों के मोहल्ले से ठठोलो की तलाई तक अटल पथ स्वीकृत होने पर शनिवार को ग्रामवासियों ने शहर के सुभाष सर्किल स्थित कार्यालय पर भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया। अटल पथ योजनांतर्गत ग्राम हाड़ौता की मुख्य आबादी के लिए स्वीकृत 1.45 किलोमीटर लंबाई के अटल पथ निर्माण में 1.85 करोड़ रुपए की लागत आएगी। पूर्व विधायक शर्मा ने सड़क स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कहा कि प्रदेश में गांवों को शहरों, बड़े कस्बों या जिले की मेजर सड़कों से बेहतर कनेक्टिविटी देने के लिए अटल पथ बनाने की योजना शुरू की है, चौमूं विधानसभा में पांच अटल पथ मोरीजा, इटावा भोपजी, कालाडेरा, सामोद और उदयपुरिया में स्वीकृत किए गए। अटल पथ के निर्माण से ग्राम वासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। ग्रामवासियों द्वारा पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का माला एवं 51 फिट लम्बा साफ़ा पहनाकर अभिनंदन कर धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौक़े पर सरपंच प्रतिनिधि बंशीधर शेरावत, अशोक शर्मा, राकेश यादव, एड.राजेंद्र यादव, दिनेश यादव, पप्पू यादव, सोहन शर्मा, राजेंद्र सैनी, गोविंद शर्मा, धर्मेन्द्र यादव सहित सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

गोविंदगढ़ और हाड़ौता में 3.75 करोड़ की लागत से बनेंगे अटल पथ

-पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने जताया मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री का आभार

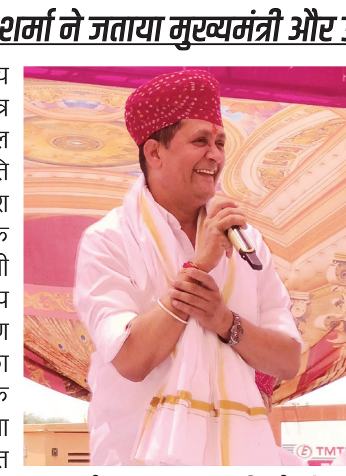

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार द्वारा विधानसभा क्षेत्र चौमूं की 2 ग्राम पंचायतों में अटल पथों के निर्माण की स्वीकृति जारी की है। भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उप मुख्यमंत्री व सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री दिया कुमारी का आभार जताया है। सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा विधानसभा क्षेत्र चौमूं की ग्राम पंचायत गोविंदगढ़ में मलिकपुर रोड से खातियो के मोहल्ले तक के लिए 1.50 किमी. हेतु 1.90 करोड़ रुपए और ग्राम पंचायत हाड़ौता में हरिजनों के मोहल्ले से ठठोलो की तलाई तक अटल पथ निर्माण के लिए 1.45 किमी हेतु 1.85 करोड़ रूपयो की स्वीकृति जारी की है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र की 2 ग्राम पंचायतों गोविंदगढ़ और हाड़ौता में अटल पथो के निर्माण कार्य के लिए 3.75 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिली हैं। उन्होंने बताया कि राज्य द्वारा प्रदेश में गांवों को शहरों, बड़े कस्बों या जिले की मेजर सड़कों से बेहतर कनेक्टिविटी देने के लिए सरकार ने अटल पथ बनाने की योजना शुरू की है। इस योजना अंतर्गत पूर्व में विधानसभा क्षेत्र चौमूं में अटल पथ ग्राम पंचायत इटावा भोपजी, कालाडेरा और मोरीजा, उदयपुरिया और सामोद में बनकर तैयार हो चुके हैं। जल्द ही नए अटल पथो का कार्य भी शुरू कर दिया जाएगा जिसका सीधा लाभ ग्रामीणों को मिलेगा।

रोज़गार पाने का सुनहरा अवसर

जयपुर के प्रकाशित होने वाले लोकप्रिय साप्ताहिक अखबार "रॉयल पत्रिका" में अख़बार बांटने के लिये पढ़े-लिखे युवकों की आवश्यकता है । वेतन रु. 10,000+पेट्रोल+इन्सेंटिव।

संपर्क करें – मोबाइल: 97995 59096

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका के RPNews Network Pvt. Ltd. के बैंक खाते में भुगतान नगद या चेक द्वारा पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100249244 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नज़दीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद ।

-संपादक

7 जून को सूरवाल में होगा राजस्थान शेख मुस्लिम बिरादरी इज़्तिमाई शादी सम्मेलन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका) । शेख मुस्लिम समाज बिरादरी सूरवाल ग्राम में एक भव्य शादी सम्मेलन आयोजित करने जा रही हे। आयोजन कर्ताओ ने बताया की 2 वर्ष पूर्व 2024 में हुए शेख समाज के सम्मेलन में 117 जोड़ो का निकाह हुआ था। जिसमें 35-35 हजार रूपए की राशि दूल्हा व दुल्हन पक्ष से लिए गए थे। इस बार 7 जून को होने वाले शेख समाज के सम्मेलन में 100 जोड़े या उससे ज्यादा का निकाह सामूहिक रूप से होगा व दूल्हा ओर दुल्हन पक्ष से 41- 41 हजार रुपए की राशि ली जाएगी। सम्मेलन 7 जून 2026 को ग्राम सूरवाल में होगा। सम्मेलन में रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 25 मई 2026 हैं इज्तिमाई सूरवाल सम्मेलन की कमेटी में सदर शैख इसरार (अल्लू), नायब सदर शफीक ओगवान, जनरल सैकेट्री शायर फिरोज खान, सैकेट्री बाजिद अली, नायब सैकेट्री सिद्दिक, मुफिद ओगवान, जनरल खजांची अफसार शैख, नायब खजांची अबरार ओगवान, खजांची शमशेर शेख, सह खजांची नाजिम करारा, राजस्थान मुस्लिम शैख बिरादरी निगरानी कमेटी मोहम्मद उमर अध्यक्ष मुस्लिम समाज, वक्फ कमेटी शेरपुर, बाबू खां नायब सदर कढ़ी जैतपुर, मुख्तयार अहमद, ईशाक मोहम्मद, मौलाना मामून रशीद, मोहम्मद फरीद, काजी अनवर, सलीम, अलाउद्दीन ओर हुसैना ओर तमाम मेम्बर सम्मेलन कमेटी के जिम्मेदार लोगों द्वारा इस सम्मेलन को सफल बनाने के लिए कार्य प्रगति पर चल रहा। समाज में सकारात्मक भाव पैदा होगा ओर फिजूलखर्ची से बचा जाए इसके लिए इस कमेटी ने अपनी ओर से बेहतरीन पहल की हैं। जिससे कि सवाई माधोपुर जिले में एक मिसाल कायम होगी।

अभिनंदन और स्वागत समारोह

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। उप मुख्य मंत्री दिया कुमारी का चौमूं शहर में पहुंचने पर पूर्व विधायक राम लाल शर्मा के नेतृत्व में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने उप मुख्य मंत्री दिया कुमारी का सम्मान किया। चौमूं हाड़ोता टांकरडा बाईपास के लिए 72, करोड़ रुपए सरकार से स्वीकृत करवाने पर उनका अभिनंदन वह सम्मान किया। ये कार्यकर्ता मौजूद रहे, पूर्व नगर अध्यक्ष गजानंद कुमावत, राजेंद्र फ़ौजी, अर्जुन यादव, मुकेश फड़या, नानूराम सैनी, कालू राम जाट, गजानंद यादव, मदन लाल, राजेश चौपड़ा सहित और भी कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फतेहगढ़ में प्रशासन ने दोबारा से रास्ता खुलवाया

-जबकि इस रास्ते को पहले प्रशासन द्वारा खुलवाया दिया गया था फिर से बंद कर दिया उसको खुलवाया

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। सामोद थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत अमरपुरा के स्थित फतेहगढ़ पीरियावाली ढाणी में इस रास्ते को लेकर पहले भी आस-पास के पड़ोसियों ने बंद कर दिया था इसको लेकर प्रशासन द्वारा रास्ते को खुलाया गया था खुलवाने के बावजूद भी तीन माह पहले बंद कर दिया था। इसको आज प्रशासन के द्वारा लंबे समय से चल रहे रास्ते के विवाद को लेकर प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए रास्ते को दोबारा खुलवाया। कार्रवाई के दौरान राजस्व विभाग एवं पुलिस प्रशासन की टीम मुख्य पर मौजूद रही। जानकारी के अनुसार संबंधित रास्ते को सबसे पहले 16 जनवरी को प्रशासन की मौजूदगी में आशीर्वाद के चलते एक पक्ष द्वारा गैर मुमकिन रास्ते पर छड़ियां, तारबंदी व अन्य अवरोध लगाकर रास्ते को पुनः बंद कर दिया गया। इस मामले की शिकायत मिलने पर तहसीलदार डॉक्टर विजयपाल बिश्नोई के निर्देश पर राजस्व विभाग की टीम ने स्थिति का जायजा लिया। कार्रवाई के दौरान चौथमल व रविंद्र पालीवाल ने रास्ते से अवरोध हटवाए और रास्ते को पुनः चालू करवाया गया। मौके पर सामोद थाना अधिकारी गोपीचंद एवं पुलिस में जाता सहित मौजूद रहे।

सूचना

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में अगले अंकों से वक़्फ़ बोर्ड, वक़्फ़ कमेटियों, मदरसा बोर्ड, मदरसों के संचालन, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजनाओं, राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग, हज कमेटी, मुस्लिम विधायक, पूर्व विधायक, मुस्लिम क्षेत्रों के विकास, शिक्षा, रोज़गार, मुस्लिम शख्सियत, समाजसेवी, व्यवसायी आदि से संबंधित खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

अत: पाठकों एवं अन्य से निवेदन है कि उपरोक्त विषय से जुड़ी जानकारी रॉयल पत्रिका के कार्यालय के पते, E-mail Address-royalpatrika@gmail.com या व्हाट्सएप (8058969180) पर भेजने की मेहरबानी करें।

-संपादक, रॉयल पत्रिका

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

17 हजार 500 रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 4 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देशानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में गुरूवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में दुर्गापुरा पुलिया के नीचे, गांधी नगर टोंक रोड़, एसएमएस अस्पताल, ट्रोमा सेन्टर, बांगड़, जेके लोन, मुरलीपुरा, निवारू पुलिया के पास, स्टार हाईट्स के सामने, 100 फीट रोड़ कांटा चैराहा से खिरणी फाटक रोड़, प्रेम नगर गली नं. 1 खातीपुरा आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 17 हजार 500 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 4 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में दुर्गापुरा पुलिया के नीचे, गांधी नगर टोंक रोड़, एसएमएस अस्पताल, ट्रोमा सेन्टर, बांगड़, जेके लोन, मुरलीपुरा, निवारू पुलिया के पास, स्टार हाईट्स के सामने, 100 फीट रोड़ कांटा चैराहा से खिरणी फाटक रोड़, प्रेम नगर गली नं. 1 खातीपुरा आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 4 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 17 हजार 500 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा लें अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

स्वर्गीय नंदकिशोर मीणा की पुण्यतिथि पर परिजनों द्वारा मीणा समाज भवन में भेंट किया गया पोडियम

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील के स्थित मोरिजा पुलिया के पास मीणा समाज भवन में स्वर्गीय नंदकिशोर मीणा निवासी बावड़ी गेट चौमूं की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मीणा समाज के अध्यक्ष रामचंद्र मीणा व समाज की कार्यकारिणी को उनके परिवारजनों द्वारा स्पीच बांक्स पोडियम भेट किया गया। इस कार्यक्रम के दोहारन उसके पुत्र महेन्द्र मीणा व प्रधानाचार्य संजय मीणा ने पिता के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। समाज के तहसील अध्यक्ष रामचंद्र मीणा ने व कार्यकारिणी ने परिजनों का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में शामिल अध्यक्ष रामचंद्र मीणा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष भोलूराम, संरक्षक हनुमान मीणा, प्रभुखोडा, भागिरथमल मीणा, बाबूलाल मीणा, राम विलास मीणा, मुकेश हटवाल, उमाशंकर मीणा, तूफान मीणा, सहित मीणा समाज के लोग उपस्थित रहे।

पृष्ठ एक का शेष....

30 हजार से अधिक चंदन के पौधों का होगा.....

आमजन को करें जागरूक, अभियान में हो अधिकाधिक जन भागीदारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेकर हमारी सरकार ने वर्ष 2024 में 7 करोड़ से अधिक एवं वर्ष 2025 में 11 करोड़ से अधिक पौधे लगाए हैं। इसी कड़ी में इस वर्ष के लिए निर्धारित 10 करोड़ पौधारोपण के लक्ष्य को अभियान के रूप में लें और सभी विभागों एवं जिलों के लिए पौधारोपण के लक्ष्य निर्धारित करते हुए समन्वय स्थापित करें। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों को जोड़ते हुए इस अभियान को लेकर आमजन को भी जागरूक करें, ताकि इस अभियान में अधिकाधिक जन भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इस दौरान मुख्यमंत्री कार्यालय एवं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं, वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में जुड़े।

रामगंज एरिया में कचरे के ढेर से बिगड़े हालात, नगर निगम प्रशासन पर सवाल

जावेद अख्तर

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । रामगंज एरिया में हालात बेहद चिंताजनक नजर आ रहे हैं। अंदरूनी गलियों में कदम रखते ही कचरे के ढेर दिखाई देते हैं, जिससे साफ जाहिर होता है कि सफाई व्यवस्था पूरी तरह पटरी पर नहीं है। सड़क के बीचों-बीच बनाए गए अस्थायी कचरा डिपो ने स्थिति को और बिगाड़ दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सभी घरों का कचरा इसी डिपो में डाला जाता है, जबकि नगर निगम की गाड़ी रोजाना कचरा उठाने के लिए आती है। ऐसे में यह सवाल खड़ा होता है कि जब नियमित कलेक्शन हो रहा है तो फिर इस तरह के डिपो की जरूरत क्यों पड़ी।

कचरे को लेकर लोगों में आपसी विवाद और आरोप-प्रत्यारोप

किशनपोल विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 65 के क्षेत्र में गंदगी को लेकर लोगों के बीच तनाव भी देखने को मिला।

दो घरों के बीच खाली पड़ी जगह में कचरे का अंबार लगा हुआ है, जहां आस-पास के लोग बालकनियों और पीछे के घरों से कचरा फेंकते हैं। जब इस बारे में लोगों से बात की गई तो हर कोई एक-दूसरे पर आरोप लगाता नजर आया। कुछ लोगों का कहना है कि बाहर से लोग आकर कचरा डाल जाते हैं, वहीं पड़ोसियों का दावा है कि यही आस-पास के लोग खुद गंदगी फैलाते हैं। इसी बात को लेकर मौके पर बहस इतनी बढ़ गई कि लोग आपस में तीखी नोक-झोंक करने लगे।

गंदगी से बढ़ता खतरा, मच्छर और बीमारियों का डर

गंदगी का असर अब साफ तौर पर इलाके की सेहत पर भी पड़ने लगा है। गलियों में फैले कचरे के कारण चूहों ने जमीन को जगह-जगह खोखला कर दिया है और मच्छरों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इससे बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय लोगों की लापरवाही और सिविक सेंस की कमी भी इस समस्या को और बढ़ा रही है।

नगर निगम और स्थानीय लोगों की जिम्मेदारी पर उठते सवाल

यह पूरा मामला न सिर्फ नगर निगम की कार्य प्रणाली पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि स्थानीय निवासियों की जिम्मेदारी को भी उजागर करता है। अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो रामगंज एरिया की यह समस्या आने वाले समय में और विकराल रूप ले सकती है। सफाई व्यवस्था को सुधारने के साथ-साथ लोगों में जागरूकता लाना भी बेहद जरूरी है, ताकि इस गंदगी के चक्र को रोका जा सके।

रिफाह चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री– जयपुर चैप्टर ने Networking Meet आयोजित की

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। रिफाह चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, राजस्थान स्टेट की जानिब से जयपुर चैप्टर की एक कामयाब और प्रोफेशनल Networking Meet को 2 मई, 2026 को आदर्श नगर, जयपुर में मुनअकीद किया गया, जिसमें शहर के 24 कारोबारियों और प्रोफेशनल्स ने शिरकत की। प्रोग्राम की शुरुआत मोहम्मद इमरान की तिलावत-ए-क़ुरआन से हुई । इसके बाद, जनरल सेक्रेटरी आरिफ हुसैन नियाज़ी ने Networking Meet के फायदे समझाए। उन्होंने बताया कि ऐसे प्लेटफॉर्म्स बिज़नेस बढ़ाने, नए लोगों से जुड़ने और नए मौक़े हासिल करने के लिए बहुत अहम होते हैं। साथ ही उन्होंने मेंबर्स से दरख़्वास्त की कि वो नेटवर्किंग मीट्स और दूसरे इवेंट्स में ज़रूर शामिल हों। इसके बाद सभी ने अपना इंट्रोडक्शन दिया और अपने बिज़नेस से जुड़ी ज़रूरतें (asks) शेयर कीं, जिससे आपस में नए कनेक्शंस और सहयोग के मौके बने। इसके बाद, प्रेसिडेंट नईम रब्बानी ने रिफाह चैंबर के मक़सद पर रोशनी डाली। इस मीट में जयपुर चैप्टर की टीम का गठन भी किया गया, जो लोकल लेवल पर काम को मज़बूती देगा। टीम इस तरह बनाई गई: एडवोकेट शुजाअत राजा– प्रेसिडेंट, मोहम्मद नौशाद– वाइस प्रेसिडेंट, सलमान दानिश– जनरल सेक्रेटरी, मोहम्मद बिलाल– ट्रेज़रर, मोहम्मद नदीम– एडवाइजरी मेंबर, मोहम्मद अबरार– एडवाइज़री मेंबर, अहत शमशुद्दीन गौरी– एडवाइज़री मेंबर । आख़िर में, प्रोग्राम का इख़्तिताम Networking Dinner के साथ हुआ, जहाँ सभी ने एक-दूसरे से बेहतर तरीके से जुड़ने का मौका पाया। यह मीट बिज़नेस कनेक्शंस बनाने, नए मौक़े तलाश करने और आपसी ताल्लुक़ात मज़बूत करने के लिए एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म साबित हुई।

झूलते बिजली तार बने मौत का कारण, डिस्कॉम की लापरवाही पर भड़का गुस्सा

-डिस्कॉम की लापरवाही पर भड़का जनाक्रोश, जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई और पीड़ित परिवार को न्याय की उठी मांग

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर के जयसिंहपुरा खोर इलाके में तेज़ आंधी-तूफान के बाद एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जिसमें बिजली विभाग की कथित लापरवाही ने एक युवक की जान ले ली। मृतक की पहचान गुलशन विहार कॉलोनी, तलाइ खो नागोरियान निवासी युनूस के रूप में हुई है, जो हैंडीक्राफ्ट का काम करता था। बताया जा रहा है कि वह जामडोली से अपने घर लौट रहा था, तभी काका कॉम्प्लेक्स के पास सड़क पर झूल रहे बिजली के तारों में उसकी बाईक उलझ गई। तारों में करंट होने के कारण बाईक में आग लग गई और युनूस गंभीर रूप से झुलस गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

आंधी के बाद झूलते तार बना जानलेवा खतरा

जयपुर के जयसिंहपुरा खोर इलाके में तेज़ आंधी के बाद बिजली के तार टूटकर सड़क पर झूलते रह गए। यह स्थिति लंबे समय तक बनी रही, जिससे इलाके में खतरा बढ़ गया और आखिरकार एक बड़ा हादसा हो गया।

पूर्व पार्षद प्रत्याशी फारूक शाह का बयान

यह सीधी-सीधी घोर लापरवाही है। जब छोटी-छोटी बात पर डिस्कॉम शटडाउन ले लेता है, तो इतनी तेज़ आंधी के बाद भी बिजली चालू क्यों रखी गई ? स्थानीय लोगों ने पहले ही सूचना दे दी थी कि तार गिर चुके हैं और करंट फैल रहा है । फिर भी 20–25 मिनट तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। अगर समय पर बिजली बंद कर दी जाती, तो एक जान बच सकती थी। हम मांग करते हैं कि दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई हो, कम से कम 20 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए, ताकि भविष्य में ऐसी लापरवाही दोहराई न जाए।

अब्दुल सलाम का बयान: आखिरी मुलाकात अधूरी रह गई

अब्दुल सलाम ने बताया, "वह मेरा साला लगता था और मेरे बेटे का ससुर भी था। वह अपनी बच्ची से मिलने घर आया था। बच्ची कह रही थी 'पापा खाना खा जाओ', लेकिन उसने खाना नहीं खाया और चला गया। कुछ देर बाद हमें थाने से फोन आया कि इस नंबर से संपर्क मिला है, आकर पहचान करो। हम पहुंचे तो उसकी बॉडी मिली। सरकार उसके बच्चों की तरफ देखे, अब उनका क्या होगा।"

सिकंदर अब्बास का बयान: परिवार पूरी तरह उजड़ गया

मृतक के चाचा सिकंदर अब्बास ने कहा, "हम रॉयल पत्रिका के आभारी हैं कि हमारी आवाज उठा रहे हैं। यह सिर्फ हादसा नहीं, लापरवाही का नतीजा है। एक ही कमाने वाला था, बूढ़े माता-पिता और छोटे बच्चे हैं। छठी-सातवीं में पढ़ने वाला बच्चा है, उसका भविष्य कौन संभालेगा ? हम मांग करते हैं कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो और बच्चे को आने वाले समय में नौकरी दी जाए, साथ ही परिवार को उचित मुआवजा मिले।"

डिस्कॉम की लापरवाही पर उठे सवाल

डिस्कॉम आए दिन लाइनों की मरम्मत के नाम पर शटडाउन करता है, लेकिन इसके बावजूद तारों का इस तरह गिरना और झूलना साफ तौर पर लापरवाही को दर्शाता है। लोगों ने बताया कि आंधी के तुरंत बाद ही संबंधित अधिकारियों—एईएन और जेईएन—को सूचना देकर पावर सप्लाई बंद करने की मांग की गई थी, क्योंकि मौके पर करंट फैल रहा था। इसके बावजूद करीब 20–30 मिनट तक न तो बिजली बंद की गई और न ही कोई अधिकारी मौके पर पहुंचा। इसी दौरान यह हादसा हो गया।

इलाके में आक्रोश, मुआवजा और कार्रवाई की मांग

घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए और आक्रोश जताया। सभी की मांग है कि दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई हो, पीड़ित परिवार को पर्याप्त मुआवजा दिया जाए और उनके बच्चों के भविष्य की जिम्मेदारी सरकार उठाए। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सादिया बानो उर्दू में बनी एकमात्र गोल्ड मेडलिस्ट

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान यूनिवर्सिटी के 35वें दीक्षांत समारोह में शिक्षा और उपलब्धियों का भव्य आयोजन हुआ। इस मौके पर 2.71 लाख विद्यार्थियों को 24 सिक्योरिटी फीचर्स से लैस डिग्रियां प्रदान की गईं। वहीं 250 मेधावी छात्रों को गोल्ड मेडल दिया गया, जिनमें 197 छात्राएं और 53 छात्र शामिल रहे।

सादिया बानो: उर्दू में बनीं एकमात्र गोल्ड मेडलिस्ट

जयपुर के चांदपोल बाजार की रहने वाली सादिया बानो ने एमए (उर्दू) में गोल्ड मेडल हासिल कर इतिहास रच दिया। साल 2024 बैच में वह नॉन-कॉलेज से पढ़ने वाली इकलौती छात्रा रहीं, जिन्होंने पूरे विश्वविद्यालय में उर्दू विषय में गोल्ड मेडल हासिल किया। उनके पिता वली मोहम्मद और माता अजमत बानो हैं।

पढ़ाई के साथ खेल में भी अव्वल

सादिया बानो ने ताइक्कांडो (मार्शल आर्ट्स) में भी अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने 2019 की ओपन नेशनल चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता और ब्लैक बेल्ट (डान-1) हासिल कर फर्स्ट स्थान भी प्राप्त किया। खेल और पढ़ाई दोनों में संतुलन बनाकर उन्होंने अपनी प्रतिभा साबित की।

बिना कोचिंग, घर से पढ़ाई कर पाई सफलता

नॉन-कॉलेज स्टूडेंट होने के कारण सादिया ने बिना किसी कोचिंग के घर पर रहकर ही रोज़ 4-5 घंटे पढ़ाई की। पूरी तरह सेल्फ स्टडी के दम पर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया और यह दिखाया कि मेहनत और फोकस से बड़ी सफलता पाई जा सकती है।

परिवार का साथ, गर्व से चौड़ा हुआ सीना

सादिया की इस सफलता पर उनके परिवार में खुशी का माहौल है। उनके पिता का सीना गर्व से चौड़ा हो गया। परिवार में 4 बहनें और 1 भाई हैं, और सभी ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की।

आगे का लक्ष्य और प्रेरणा

सादिया बानो अब आगे पीएचडी करने की तैयारी कर रही हैं। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि सीमित संसाधनों में भी मेहनत और लगन से बड़ा मुकाम हासिल किया जा सकता है।

जेडीए ने दस बीघा भूमि पर अवैध कॉलोनी को किया ध्वस्त

-सरकारी भूमि को कराया अतिक्रमण मुक्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा लगातार अवैध कॉलोनियों के साथ सड़क सीमा में आ रहे अतिक्रमणों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन के निर्देशों पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा ग्राम भुधरपुरा में दस बीघा भूमि पर अवैध कॉलोनी को ध्वस्त किया गया। साथ ही सरकारी भूमि सहित सड़क सीमा में आ रहे अतिक्रमणों को भी हटाया गया। उप महानिरीक्षक पुलिस आनंद शर्मा ने बताया कि जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित कालवाड़ रोड़, ग्राम भूधरपुरा, जिला जयपुर में करीब 10 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू-रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से प्रारम्भिक स्तर पर ही ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जविप्रा द्वारा ध्वस्तीकरण में हुये 40 हजार रूपये व्यय खर्चे की नियमानुसार संबंधित से वसूली की जावेगी। जेडीए द्वारा जोन-14 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित महल रोड ग्राम सालिगरामपुरा में 40 फीट रोड सीमा, मे आ रहे अतिक्रमणों टिनशेडनुमा कमरे, मकान, बाउण्ड्रीवाल, चबूतरे, लोहे के गेट लगाकर किये गये अतिक्रमणों को उप नियंत्रक प्रवर्तन द्वितीय, प्रवर्तन अधिकारी जोन-14, 09, 13 की मौजुदगी में जोन-14 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशानदेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जे.सी.बी. मशीन व मजदूरों की सहायता से हटवाया जाकर 40 फीट रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। दस्ते ने जोन-14 के क्षेत्राधिकार मे अवस्थित ग्राम जयचंदपुरा तहसील सागानेर, जिला जयपुर के खसरा नं. 69, 70 व 74 से 78 एवं 81 में करीब 03 बीघा बेशकीमती सरकारी भूमि पर स्थानीय काश्तकार द्वारा अतिक्रमण कर बनाई गई सीमेन्ट के पिल्लर गाड़कर, तारबंदी कर, कांटों की बाड़, झाडियां लगाकर किये गये । अतिक्रमणों को आज जोन-14 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशानदेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जे.सी.बी. मशीन व मजदूरों की सहायता से हटवाया जाकर बेशकीमती सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उक्त अतिक्रमण मुक्त भूमि की अनुमानित कीमत करीब 18 करोड़ रूपये है।

डेढ़ महीने से बंद पड़ा नाले का निर्माण कार्य

- ***नगर निगम प्रशासन कर रहा है अनदेखी***
- ***स्थानीय लोग हो रहे हैं परेशान***

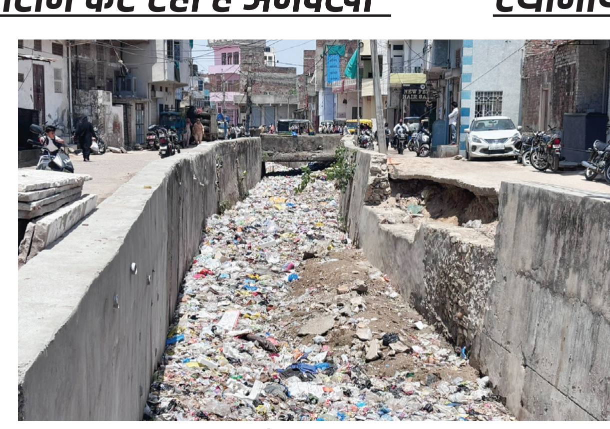

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । शास्त्री नगर स्थित नारी का नाका क्षेत्र में नाले का निर्माण कार्य पिछले डेढ़ महीने से ठप पड़ा हुआ है। शुरुआत में काम तेजी से शुरू हुआ, लेकिन कुछ ही दिनों में अचानक रुक गया। तब से न तो कोई मजदूर वापस लौटा और न ही जिम्मेदार अधिकारियों ने मौके पर आकर स्थिति का जायजा लिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

जमीन धंसी, सड़क बनी खतरे का रास्ता

नाले के आसपास की जमीन लगातार धंसती जा रही है। कई जगहों पर इतने गहरे गड्ढे हो चुके हैं कि एक व्यक्ति का हाथ पूरा अंदर चला जाए। सड़क भी कई हिस्सों में नीचे बैठ चुकी है, जिससे राहगीरों और वाहनों के लिए बड़ा खतरा पैदा हो गया है। लोगों का कहना है कि अगर तेज बारिश होती है, तो हालात और भयावह हो सकते हैं और आसपास के मकान भी इसकी चपेट में आ सकते हैं।

घटिया सामग्री का आरोप, काम अचानक रुका

स्थानीय निवासियों ने निर्माण कार्य में घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सीमेंट पाउडर जैसी और बजरी मिट्टी जैसी इस्तेमाल की गई, जिससे निर्माण कमजोर हो गया। जब मीडिया टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति देखी और सवाल उठाए, तो उसी दिन के बाद से काम पूरी तरह बंद कर दिया गया।

नाले में गंदगी, बीमारी फैलने का डर

नाले में लंबे समय से कचरा और गंदगी जमा है। सफाई नहीं होने के कारण बदबू और संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। लोगों का कहना है कि यह समस्या वर्षों पुरानी है, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिलता है, समाधान नहीं।

उपायुक्त सीमा चौधरी का रवैया सवालों के घेरे में

नगर निगम हेरिटेज की उपायुक्त सीमा चौधरी का रवैया इस पूरे मामले में लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार, जब वे अपनी समस्याएँ लेकर उनके कार्यालय पहुँचे, तो सभी को गेट के बाहर ही खड़ा रखा गया। लंबे समय तक इंतजार कराने के बावजूद किसी को अंदर बुलाया नहीं गया। इसी दौरान सीमा चौधरी बिना किसी से संवाद किए चुपचाप बाहर निकलीं और सीधे अपनी गाड़ी की ओर बढ़ गईं। लोगों का कहना है कि इतने बड़े पद पर बैठने के बावजूद इस तरह से आम नागरिकों को नजरअंदाज करना गंभीर सवाल खड़े करता है।

रॉयल पत्रिका टीम पहुँची, तब सुनी गई लोगों की बात

स्थिति तब बदली जब रॉयल पत्रिका की टीम मौके पर पहुँची। गुस्साए लोगों ने पहले ही सीमा चौधरी की गाड़ी को रोक लिया था। इसी दौरान जब उन्होंने मीडिया टीम को देखा, तब जाकर उन्होंने रुककर लोगों की समस्याएँ सुनीं। हालांकि लोगों का कहना है कि उन्होंने सिर्फ बातें सुनीं, समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम मौके पर नहीं उठाया और मामले को अन्य अधिकारियों के हवाले कर दिया। इससे साफ नजर आता है कि लोगों की आवाज अनसुनी की जाती है

अधिकारियों को ही नहीं पता, काम हो रहा या नहीं

हैरानी की बात यह है कि जब मीडिया ने सीमा चौधरी से बात की, तो उन्हें यह तक जानकारी नहीं थी कि नाले का काम रुका हुआ है। इतना ही नहीं, अन्य अधिकारी भी यही कहते नजर आए कि "काम हो चुका है।" जब उन्हें मौके की तस्वीरें और वीडियो दिखाए गए, तब जाकर उन्होंने माना कि काम रुका हुआ है और कार्रवाई का आश्वासन दिया।

जनता को इधर-उधर घुमाने का आरोप

स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्हें बार-बार अलग-अलग अधिकारियों के पास भेजा जाता है। कोई भी अधिकारी सीधे जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। लोग इसे "टालमटोल की नीति" बता रहे हैं, जिसमें समस्या का समाधान करने की बजाय उसे घुमाया जाता है।

मकानों और मंदिर पर भी खतरानाले के पास बने मकानों में दरारें आने लगी हैं। वहीं पास स्थित एक मंदिर की दीवारें भी दो-दो इंच तक फट चुकी हैं। लोगों का कहना है कि अगर समय रहते काम पूरा नहीं किया गया, तो बड़ा हादसा हो सकता है।

जिम्मेदारी तय हो, तुरंत हो कार्रवाई

नारी का नाका क्षेत्र की यह स्थिति साफ तौर पर प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करती है। एक ओर अधूरा निर्माण, दूसरी ओर अधिकारियों की अनदेखी और जनता को दर-दर भटकने पर मजबूर करना—ये सभी सवाल खड़े करते हैं। अब जरूरत है कि जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय हो और जल्द से जल्द काम पूरा कर लोगों को राहत दी जाए, वरना कोई बड़ा हादसा कभी भी हो सकता है।

मुहम्मदी मस्जिद, विद्याधर नगर में नि:शुल्क शिविर आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । मुहम्मदी 15 नंबर बस स्टैंड, पुराने विध्यधार नगर में स्माईल डेंटल एण्ड स्किन एण्ड हैल्थ केयर की ओर से रविवार को सुबह 10 बजे से 1 बजे टीके नि:शुल्क दंत एवं स्त्री रोग और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम—डॉ. मोहम्मद जुबेर खान, डॉ. शाइस्ता ग़ज़ल, डॉ. तलात खान, डॉ. कुलसुम बानो,डायग्नोस्टिक मोहम्मद बिलाल (डायरेक्टर) इरम खान तथा मंजूर अहमद खान ने मरीजों की जांच की। कैंप में दंत रोगों के साथ-साथ स्त्री रोग से संबंधित जांच और परामर्श भी उपलब्ध कराया गया। दांतों की सफाई, दांत निकालना, रूट कैनाल, पायरिया का इलाज, नकली दांत लगाना, बच्चों के दांतों का उपचार तथा महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया गया। साथ ही मरीजों को नि:शुल्क परामर्श दिया गया और इलाज पर 50 प्रतिशत तथा दवाइयों पर 20 प्रतिशत तक की छूट भी प्रदान की गई, जिससे लोगों को काफी राहत मिली। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आम जनता को सस्ती एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और उन्हें दंत व महिला स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना की और डॉक्टरों की टीम का आभार व्यक्त किया। आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी इस तरह के जनसेवा कार्य जारी रहेंगे।

रॉयल पत्रिका
संपादकीय...

प्रदेश में 315 स्कूल, 30 साल से बिना भवन

राजस्थान प्रदेश में 315 स्कूल भवन 30 साल से बिना भवन के चल रहे हैं। यह समाचार प्रदेश के एक बड़े अखबार में छपा। प्रदेश के शिक्षा मंत्री भाजपा विधायक मदन दिलावर हैं। मदन दिलावर करीब ढाई साल से शिक्षा मंत्री हैं। ढाई वर्ष में स्कूल भवन की जर्जर हालत, स्कूलों में टीचर नहीं और शिक्षा विभाग की दयनीय स्थिति पर दर्जनों बार समाचार विभिन्न अखबारों में प्रकाशित हो चुके हैं। लेकिन शिक्षा मंत्री सिर्फ आश्वासन पर आश्वासन देते हैं कि सुधार करेंगे। लेकिन शिक्षा विभाग में कोई सुधार नहीं हो रहा है। वैसे शिक्षा मंत्री शिक्षा विभाग की किताबों में इतिहास बदलने, हिंदू मुस्लिम की राजनीति को हवा देने, शिक्षा विभाग में अल्पसंख्यक वर्ग के टीचर्स का अनावश्यक स्थानांतरण करने, कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से बहस करने पर ज्यादा ध्यान देते हैं। शिक्षा विभाग में पिछले ढाई सालों से कोई बड़ा सुधार नहीं हुआ है। सरकारी स्कूलों की स्थिति काफी खराब है और गरीब, मजदूर और मजबूर लोगों के अलावा इन स्कूलों में कोई अपने बच्चे पढ़ना नहीं चाहता है। सरकारी स्कूलों में टीचर्स की भारी कमी है। शिक्षा विभाग में परीक्षा समय पर होने लगी है। लेकिन कई विद्यालयों में विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम पूरे नहीं हुए हैं। विद्यालयों में विषय विशेषज्ञों की तो बहुत कमी है, 10वीं, 12वीं के विद्यार्थियों को मजबूरी में कोचिंग में जाना पड़ता है। प्राइवेट स्कूलों को मान्यता शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के अधीन चलने वाला शिक्षा विभाग देता है। प्राइवेट स्कूल मनमानी कर रहे हैं। कितनी फीस लेनी है, सरकार ने अभी तक निर्धारित नहीं की है। प्राइवेट स्कूलों की ज्यादातर भवन शिक्षा विभाग से निर्धारित मापदंड पूरे नहीं कर रहे हैं। ज्यादातर प्राइवेट स्कूल में ट्रेंड टीचर्स के स्थान पर अनट्रेंड टीचर्स की सेवाएं ले रहे हैं। जिससे बच्चों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा नहीं मिल पा रही है। सरकार और शिक्षा मंत्री की लापरवाही के कारण प्रदेश में शिक्षा माफियाओं का बोलबाला बढ़ता जा रहा है। लेकिन शिक्षा विभाग प्रदेश की शिक्षा एवं युवाओं के भविष्य पर आंखें मूंद कर बैठा है। जब भी विपक्ष शिक्षा मंत्री पर शिक्षा विभाग में कुछ काम नहीं होने का आरोप लगाता है तो शिक्षा मंत्री मदन दिलावर पिछले 70 सालों में शिक्षा विभाग में कोई काम नहीं होने और शिक्षा का भट्टा बैठाने और जिहादियों की भाषा बोलने का आरोप लगाकर जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करते हैं। लेकिन शिक्षा विभाग स्कूलों, स्कूल भवन और टीचर्स की कमी दूर करने को लेकर कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया। यह देश और प्रदेश के लिए शर्म की बात है कि प्रदेश में 315 स्कूल बिना भवन के चल रहे हैं। बच्चे कहीं पेड़ों की छाया मंद या खुले आसमान में जमीन पर बैठकर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। जबकि सभी जानते हैं कि बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर ही देश को मजबूत बनाया जा सकता है और बिना शिक्षा या कमज़ोर शिक्षा से देश कभी मज़बूत नहीं बनता।

"लिबास"

इस्लाम में कोई खास लिबास का हुक्म नहीं है लेकिन लिबास लोगों पर अल्लाह की नियामतों में से एक नियामत है जैसा कि अल्लाह तआला ने कहा- "ऐ बनी आदम ! हमने तुम्हारे लिए लिबास पैदा किया जो तुम्हारी शर्मगाहों को छिपाता है और मौज्जब ज़ीनत भी है और तक़े का लिबास इससे बढ़कर है। ये अल्लाह की निशानियों में से है ताकि ये लोग याद रखें"" (सूरा ऐराफ 26)

"मोमिन का लिबास खूबसूरत, पाक और साफ़ सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर लोगों से मुलाकात और नमाज़ की अदायगी के वक़्त। जैसाकि अल्लाह तआला ने कहा-"ऐ औलादें ! आदम तुम मस्जिद की हर हाज़िरी के वक़्त अपना लिबास पहन लिया करो" (सूरा ऐराफ 31)

इस्लाम ने लोगों के लिए लिबास की खास नोईयत मुकर्रर नहीं की, बल्कि हर लिबास को मशरूअ करार दिया है बशर्ते ये कि लिबास जिस्म की जरूरत पूरी करे जिसमें ना ज्यादती हो और ना हद से तजावज।

इस्लाम ने लिबास की किसी खास नोईयत की तजदीद नहीं की बेहतर ये है वो बस्ती वालों के जायज़ लिबास की तरह हो। अल्लाह ने लिबास न सिर्फ स्तन ढकने का जरिया बनाया बल्कि उससे, गर्मी और दूसरी ज़रूरत यहां चीजों से महफूज रखता है। अल्लाह तआला फरमाता है "और उसी ने तुम्हारे लिए कुर्ते बनाए हैं जो तुम्हें गर्मी से बचायें और ऐसे कुर्ते भी जो तुम्हें लड़ाई के वक़्त भी काम आए वो इसी तरह अपनी पूरी-पूरी नियामतें दे रहा है कि तुम हुकुमबदार बन जाओ।" (सूरा नहल 81)

आप रसूलुल्लाह सल्ललाहो अलैही व सल्लम ने अपने जमाने का लिबास जेबतन फ़रमाया आप रसूलुल्लाह सल्ललाहो अलैही व सल्लम ने किसी खास लिबास का हुक्म नहीं फरमाया ना किसी खास लिबास की मुमानियत फरमाई। अलबत्ता असराफ और तक़ब्बुर के लिबास से मना किया है। मर्दों को रेशम पहनने से मना किया है।

कुरआन के हैरान कुन मौजीज़े

1. कुरआन में लफ्ज़ "दुनिया" 115 बार आया है तो लफ्ज़ "आखिरत" भी 115 बार आया है।
2. कुरआन में लफ्ज़ "मलाइका" 88 बार आया है तो लफ्ज़ "शयातीन" भी 88 बार आया है।
3. कुरआन में लफ्ज़ "रिजाल" यानि मर्द 24 बार आया है तो लफ्ज़ "निसा" यानि औरत भी 24 बार आया है।
4. कुरआन में लफ्ज़ "हयात" यानि जिन्दगी 145 बार आया है तो लफ्ज़ "मौत" भी 145 बार आया है।
5. कुरआन में लफ्ज़ "नफा" यानि फायदा 50 बार आया है तो लफ्ज़ "ख़सारा" यानि नुकसान भी 50 बार आया है।
6. कुरआन में लफ्ज़ "मुसीबत" 75 बार आया है तो लफ्ज़ "शुक्र" भी 75 बार आया है।
7. कुरआन में लफ्ज़ "सखती" 114 बार आया है तो लफ्ज़ "बर्दाश्त" भी 114 बार आया है।
8. कुरआन में लफ्ज़ "नेकी" 30 बार आया है तो लफ्ज़ "सवाब" भी 30 बार आया है।
9. कुरआन में लफ़्ज़ "जहन्नुम" 26 बार आया है तो लफ्ज़ "सज़ा" भी 26 बार आया है।
10. कुरआन में लफ्ज़ "जादू" 60 बार आया है तो लफ्ज़ "फितरह" भी 60 बार आया है।
11. कुरआन में लफ्ज़ "कुफ्र" 25 बार आया है तो लफ्ज़ "ईमान" भी 25 बार आया है।
12. कुरआन में लफ्ज़ "सोम" यानि रोज़ा 14 बार आया है तो लफ्ज "सब्र" भी 14 बार आया है।
13. कुरआन में लफ़्ज़ "ज़कात" 32 बार आया है तो लफ्ज़ "बरकत" भी 32 बार आया है।
14. कुरआन में लफ्ज़ "शहर" यांनि महीना 12 बार आया है तो साल के 12 महीने होते हैं।
15. कुरआन में लफ्ज़ "यौम" 365 बार आया है तो एक साल में 365 दिन होते हैं।
16. कुरआन में लफ्ज़ "बहर" यानि समन्दर 32 बार आया है और "अर्ज़" यानि खुश्की 13 बार आया है दोनों का जोड़ 45 है इसका प्रतिशत निकालें तो 13.11% पानी और 18.89% खुश्की होता है जो जदीद साइंस के अनुसार इतना ही है।

-हबीबुल्लाह एडवोकेट
जवाहर नगर, जयपुर

भारत रत्न डॉ. ज़ाकिर हुसैन जिन्होंने शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया

(पुण्य तिथि 3 मई पर विशेष लेख)

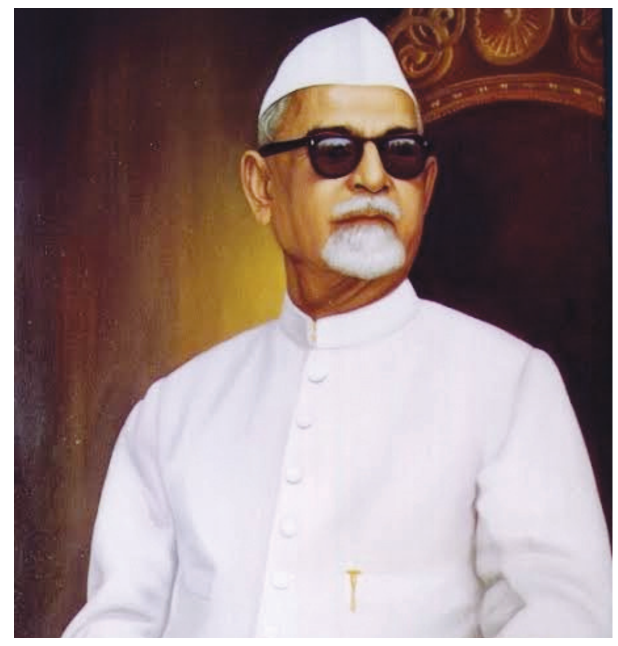

भारत के इतिहास में एक ऐसे महान व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते हैं, जिन्होंने शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया। वे भारत के तीसरे राष्ट्रपति थे और पहले मुस्लिम राष्ट्रपति बनने का गौरव भी उन्हें प्राप्त हुआ। उनका जीवन संघर्ष, सादगी और सेवा की भावना से परिपूर्ण था, जो आज भी हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

डॉ. जाकिर हुसैन का जन्म 8 फरवरी 1897 को हैदराबाद में हुआ था। उनके पिता फिदा हुसैन खान एक प्रतिष्ठित वकील थे, लेकिन जब जाकिर हुसैन छोटे ही थे, तब उनके पिता का देहांत हो गया। कुछ समय बाद उनकी माता भी इस दुनिया से चल बसीं। इस प्रकार बचपन में ही उन्होंने जीवन की कठिनाइयों का सामना किया।

उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा इटावा में प्राप्त की और आगे की पढ़ाई के लिए अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया। यहां उन्होंने शिक्षा के महत्व को गहराई से समझा। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए वे जर्मनी के बर्लिन विश्वविद्यालय गए, जहां से उन्होंने अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। विदेश में रहते हुए भी उनका मन भारत की सेवा के लिए समर्पित रहा।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान

डॉ. जाकिर हुसैन का नाम जामिया मिल्लिया इस्लामिया के साथ विशेष रूप से जुड़ा हुआ है। वे इसके संस्थापकों में से एक थे और उन्होंने इसे एक छोटे से संस्थान से देश के प्रमुख विश्वविद्यालयों में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जब जामिया आर्थिक संकट से गुजर रही थी, तब उन्होंने अपने अथक प्रयासों और दृढ़ संकल्प से इसे बचाया। उनका मानना था कि शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के चरित्र निर्माण और नैतिक विकास का आधार भी है। वे शिक्षा को जीवन से जोड़ने के पक्षधर थे। उन्होंने "बेसिक एजुकेशन" की अवधारणा को बढ़ावा दिया, जिसे महात्मा गांधी ने भी समर्थन दिया था। इस प्रणाली में शिक्षा को व्यावहारिक और आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया गया।

स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका

डॉ. जाकिर हुसैन ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में भी सक्रिय भाग लिया। वे महात्मा गांधी के विचारों से अत्यधिक प्रभावित थे और उन्होंने देश की आजादी के लिए चलाए जा रहे आंदोलनों का समर्थन किया। उन्होंने शिक्षा के माध्यम से लोगों में राष्ट्रीय चेतना जागृत करने का कार्य किया। उनका विश्वास था कि एक शिक्षित समाज ही स्वतंत्रता का सही अर्थ समझ सकता है और देश के विकास में योगदान दे सकता है। इस दृष्टिकोण ने उन्हें एक महान शिक्षाविद और राष्ट्रभक्त बना दिया।

प्रशासनिक और राजनीतिक जीवन

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद डॉ. जाकिर हुसैन को कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गईं। वे 1957 से 1962 तक बिहार के राज्यपाल रहे। इस दौरान उन्होंने शिक्षा और सामाजिक विकास के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण पहल की।

इसके बाद वे 1962 में भारत के उपराष्ट्रपति बने। इस पद पर रहते हुए उन्होंने अपनी सादगी, ईमानदारी और कार्यकुशलता से सभी का दिल जीत लिया। 1967 में वे भारत के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए। राष्ट्रपति के रूप में उनका कार्यकाल देश के लिए प्रेरणादायक रहा।

वे एक ऐसे राष्ट्रपति थे, जो औपचारिकता से अधिक मानवीय मूल्यों को महत्व देते थे। उन्होंने हमेशा यह संदेश दिया कि सत्ता का उपयोग जनता की भलाई के लिए होना चाहिए।

व्यक्तित्व और विचार

डॉ. जाकिर हुसैन का व्यक्तित्व अत्यंत सरल और विनम्र था। वे उच्च पदों पर रहने के बावजूद हमेशा जमीन से जुड़े रहे। उनका जीवन अनुशासन, ईमानदारी और सेवा भावना का प्रतीक था। उनका मानना था कि शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक अच्छा इंसान बनना है। वे छात्रों को हमेशा नैतिक मूल्यों का पालन करने और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करते थे। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं, विशेष रूप से उस समय जब शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। उनका दृष्टिकोण हमें यह सिखाता है कि शिक्षा को केवल ज्ञान तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि इसे जीवन के हर पहलू से जोड़ना चाहिए।

सम्मान और उपलब्धियां

डॉ. जाकिर हुसैन को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए कई सम्मान प्राप्त हुए। उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से भी सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके शिक्षा और राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पण का प्रतीक है।

उन्होंने कई विश्वविद्यालयों से मानद उपाधियां भी प्राप्त कीं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उनकी ख्याति एक महान शिक्षाविद के रूप में थी।

निधन और विरासत

3 मई 1969 को डॉ. जाकिर हुसैन का निधन हो गया। वे भारत के पहले ऐसे राष्ट्रपति थे, जिनका देहांत कार्यकाल के दौरान ही हुआ। उनके निधन से पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई। उनकी स्मृति में देशभर में कई शैक्षणिक संस्थानों, सड़कों और पुरस्कारों का नाम उनके नाम पर रखा गया है। उनकी विरासत आज भी जीवित है और नई पीढ़ी को प्रेरित करती है। डॉ. जाकिर हुसैन का जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्ची सफलता केवल पद और प्रतिष्ठा में नहीं, बल्कि समाज के लिए किए गए कार्यों में निहित होती है। वे एक महान शिक्षाविद, आदर्श नेता और सच्चे देशभक्त थे। उनकी सोच, उनके आदर्श और उनका जीवन आज भी हर भारतीय के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का आधार बनाया और यह संदेश दिया कि एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण केवल शिक्षित और जागरूक नागरिकों के माध्यम से ही संभव है। इस प्रकार, डॉ. जाकिर हुसैन का जीवन और उनका योगदान भारतीय इतिहास में सदैव अमर रहेगा।

हसरत मोहानी गंगा जमुनी तहजीब के महान इंकलाबी शायर

बहुत सारे हिंदुस्तानी शायर ऐसे हुए हैं जिनकी कलम ने अपनी ताकत पर भारतीयों को अंग्रेजो के खिलाफ लड़ने के लिए उत्साहित किया है, उन्हीं फेहरिस्त में इंकलाब जिंदाबाद का नारा देने वाले आजादी के सच्चे सिपाही मौलाना हसरत मोहानी जो मादरे वतन के लिए अंग्रेजो के खिलाफ हमेशा आंदोलन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते रहे का प्रमुखता से आता है। 1 जनवरी 1875 को उन्नाव के मोहान गांव में जन्मे हसरत मोहानी एक बेहतरीन शायर थे उन्हें पढ़ाई का शौक बचपन से ही था यही कारण था कि उन्होंने राज्य स्तरीय परीक्षा में टॉप किया था अपनी गजलों में उन्होंने रूमानियत के साथ-साथ समाज, इतिहास और सत्ता के बारे में काफी कुछ लिखा है और अपनी उर्दू शायरी के माध्यम से औरतों को ऊंचा मुकाम दिया है। मौलाना हसरत मोहानी हिंदू-मुस्लिम एकता के पक्षधर थे। आजादी की रवायत के मुताबिक वे अवध की तहजीब के प्रतिनिधि कवि हैं और रसखान के बाद कृष्ण पर फिदा एक अजीम शख्सियत। उनका इस्लाम पर पक्का विश्वास था लेकिन दूसरों के विश्वास और धर्म का आदर हसरत मोहानी करते थे। उनका हिंदुस्तानी मुसलमानों को संदेश है कि वह अपने ईमान पर कायम रहते हुए हिंदुस्तान की परंपराओं से जुड़े रह सकते हैं अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान ही उन में देशभक्ति का जज्बा जगह था 1930 में अपनी किताब के जरिए अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों की आलोचना की 1904 में वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हुए और राष्ट्रीय आंदोलन में कूद पड़े और 1905 में उन्होंने बाल गंगाधर तिलक द्वारा चलाए गए स्वदेशी आंदोलन में भी हिस्सा लिया। 1907 में अंग्रेजों ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया महात्मा गांधी ने उनको महान बताया और आजादी के आंदोलन में उनकी भागीदारी की अनेक मौके पर तारीख की है 1921 में इंकलाब जिंदाबाद का नारा देने वाले हसरत मोहानी ही थे, इस नारे को बाद में भगत सिंह ने अपना कर मोहानी साहब और नारे को अमर बना दिया। आज भी जब कहीं गैर बराबरी और सत्ता के खिलाफ कोई विरोधी आंदोलन चलता है, तो इंकलाब जिंदाबाद का नारा उसका खास हिस्सा होता है। वह बाल गंगाधर तिलक, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के करीबी दोस्त थे, तथा भारत के पूर्ण स्वराज्य की मांग के हिमायती थे। 1946 में उत्तर प्रदेश राज्य से संविधान सभा के सदस्य के रूप में इनको भेजा गया था। भारत विभाजन का इन्होंने विरोध किया और अपने भारतीय होने पर नाज किया, हिंदू-मुस्लिम एकता की विरासत को संजोए इस महान व्यक्तित्व ने 13 मई1951 को दुनिया को अलविदा कह दिया।

दुनिया को युद्ध नहीं, शान्ति चाहिए

युद्ध मानवता की सबसे बड़ी त्रासदी है, जो स्वयं मानव द्वारा मानव पर लादी जाती रही है। ये आदिकाल से होते आये हैं और संभवतः मानव सभ्यता के इतिहास में ऐसा कोई दौर नहीं रहा, जब पृथ्वी के हर भाग पर पूर्णतः शान्ति रही हो। कहीं न कहीं किसी न किसी रूप में युद्ध या कबीलाई संघर्ष होते ही रहे हैं। यह कितने आश्चर्य की बात है कि ज्यों-ज्यों मानव "सभ्य" होता जा रहा है, युद्ध करने और मानव विनाश के नये-नये तरीके विकसित करता जा रहा है !! लाठी-पत्थर से लड़ी जाने वाली जंग 1945 में अणु बमों से लड़ी गई और अब अन्य विकसित हथियारों से लड़ी जा रही है। होना तो यह चाहिए था कि सभ्य होने के साथ-साथ मनुष्य धरती पर रहने के अच्छे से अच्छे तौर-तरीके विकसित करता।

लड़ना ही था तो बेरोजगारी, भूख, गरीबी, अशिक्षा, बाल मृत्यु, रोग, महामारी आदि से लड़ता और इन पर विजय पाता ! लेकिन आज भी दुनियां से पूर्णतः ये समस्याएं समाप्त नहीं हुई हैं। इनसे लड़ने के साथ-साथ व्यक्ति अपने पड़ौसी की, एक कबीला दूसरे कबीले की और एक देश दूसरे देश की ज़मीन, जायदाद, साधन-संसाधन और धन-सम्पत्ति हड़पने में लग गये। फलतः कहीं न कहीं युद्ध-संघर्ष चलता ही रहा है। दुनियां के छोटे-मोटे युद्धों को न भी गिनें तो भारत के तथाकथित राम-रावण युद्ध, महाभारत का युद्ध, सिकन्दर और चन्द्रगुप्त मौर्य का युद्ध, मध्यकालीन राजाओं और मुस्लिम आक्रमणकारियों के बीच के युद्ध, प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध, ईरान-ईराक युद्ध, अमेरिका-वियतनाम युद्ध और इसराईल लेबनान युद्ध दुनिया के बड़े युद्ध रहे हैं, जिनमें लाखों की जनहानि हुई और आर्थिक हानि का तो कोई अनुमान ही नहीं है।

यह देशों की आपसी भूख है, दुनिया पर अपना वर्चस्व कायम करने की होड़ है, जो युद्धों को जन्म देती है। एक देश या राष्ट्र अपने पास उपलब्ध साधन-संसाधन से सन्तुष्ट नहीं हो पाता और इन पर कब्जा करने के लिए इनकी संख्या बढ़ाने के लिए अन्य देशों पर आक्रमण करता है। आक्रमण में किसी को लाभ नहीं होता है। जीत हो या हार, मानवता दोनो तरफ हारती है। बच्चे, बूढ़े औरतें बेसहारा हो जाते हैं। चारों तरफ रक्तपात होता है और युद्ध से बिगड़े हालातों को सुधारने में दशकों लग जाते हैं। जो भवन बनने और सजने संवरने में दशक से अधिक समय लेता है, युद्ध में कुछ ही सैकेण्ड में ज़मीन्दोज हो जाता है। दोनों ही देशों के नागरिकों, साधन-संसाधनों, वनस्पतियों, पर्यावरण, उत्पादक मिल्स और लगभग सभी क्षेत्रों में अपूरणीय क्षति होती है। किसी भी देश को हर क्षेत्र में विकसित होने में बरसों का समय लगता है और जो तरक्की होती है, वह युद्ध के चलते मिनटों में धूल में मिल जाती है। एक व्यक्ति बचपन से लेकर जवानी तक घर, परिवार, स्कूल, कॉलेज आदि कई पड़ाव देखता है। यदि सेना में उसका चयन हो जाता है तो ट्रेनिंग लेता है। युद्ध के दौरान चली एक गोली या एक बम सब काम तमाम कर देता है! यह बात भावावेश में या किसी डर आदि से नहीं, बल्कि वास्तविकता को लेकर लिखी गई है जो शहीदों की वीरांगनाएं, बच्चे और परिवार सारी जिन्दगी झेलते हैं।

आज दुनिया में ईरान और अमेरिका के बीच चलने वाला युद्ध छाया हुआ है। इसमें इजराइल और लेबनान के अलावा सउदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, कतर, आदि देश तो प्रभावित हुए ही हैं लेकिन इस युद्ध का असर सारी दुनियां पर पड़ रहा है। इसी प्रकार रूस और यूक्रेन के बीच चलने वाला युद्ध भी काफी लम्बा खिंच गया है और अभी तक खत्म नहीं हुआ है। मुख्यतः तरल सोना (पेट्रोलियम) पर कब्जे को लेकर होने वाले इस युद्ध में अब तक अरबों-खरबों रुपये का नुकसान दोनों पक्षों को हो चुका है, लेकिन कोई भी पक्ष पीछे हटने को तैयार नहीं है।

धर्म के नाम पर, साधन-संसाधनों को हड़पने के नाम पर और अपना वर्चस्व कायम करने के नाम पर हो रहे युद्धों में अन्ततः सर्वाधिक नुकसान बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को होता है। गाँव के गाँव, शहर के शहर, हजारों साल की बसी बस्तियां और सब कुछ उजड़ जाता है। उजड़े हुए स्थानों को बसाने में दशकों लग जाते हैं या किसी दूसरे स्थान पर ही नई बसावट की जाती है। युद्ध का एक कारण उग्र राष्ट्रवाद भी रहा है। अपने देश के आगे किसी अन्य देश को कुछ नहीं समझना और उसकी संप्रभूता को नष्ट करना ही उग्र राष्ट्रवाद है।

धरती सबकी है और इस पर सबको जीने का हक है, यह बात समझते हुए जीया जाये तो जीवन इतना अधिक जटिल नहीं हो। मानव, पशु-पक्षी, पेड़-पौधे और अन्य जीव-जन्तु इस धरती पर बिना किसी परेशानी के रह सकते हैं।

- डॉ. श्याम सुन्दर बैरवा
भीलवाड़ा, 8764122431

मेहमान नवाज़ी के आदाब

मेहमानों का इस्तक़बाल करना एक अहम दीन की क़ीमती रिवायत है, जिसे अमल में लाना चाहिए। मेहमाननवाज़ी को इस्लाम में बहुत तवज्जो दी गई है। रसूलुल्लाह (□) ने फ़रमाया: "जो शख़्स अल्लाह और आख़िरत के दिन पर ईमान रखता है, उसे चाहिए कि अपने मेहमान का इकराम करे।" (बुख़ारी व मुस्लिम)। हालांकि बहुत से लोग इस्लामी तरीक़े से मेहमानों का सही तरीक़े से स्वागत करना नहीं जानते, जबकि ये एक ऐसा तरीका है जिससे हम एक-दूसरे के साथ मोहब्बत, इज़्ज़त और रहमदिली का मुज़ाहिरा कर सकते हैं।

1. मेहमान को सलाम करना या ख़ुशआमदीद कहना
इस्लाम में मेहमान का स्वागत सलाम या ख़ुशआमदीद कहकर करना सबसे पहला अदब है। इससे मेहमान को इज़्ज़त और अहमियत मिलती है। रसूलुल्लाह (□) ने फ़रमाया: "जब कोई तुम्हारे घर आए तो उसे सलाम कहना चाहिए। अगर उसे इजाज़त दी जाए तो दाख़िल हो और अगर ना दी जाए तो वापस चला जाए।" (मुस्लिम)

2. मुस्कराहट के साथ इस्तक़बाल करें
मुस्कराहट एक सादा और मुफ़्त सदक़ा है लेकिन इसका असर बड़ा होता है। रसूलुल्लाह (□) ने फ़रमाया:
"कोई भी नेकी को हल्क़ा मत समझो, चाहे वो अपने भाई से ख़ुश चेहरा दिखाना ही क्यों ना हो।" (मुस्लिम)

3. महरम की मौजूदगी में मेहमानों को तशरीफ़ लाने दें
अगर मेहमान विपरीत लिंग से हो और महरम ना हो, तो ऐसे में महरम की मौजूदगी ज़रूरी है। रसूलुल्लाह (□) ने फ़रमाया: "किसी मर्द और औरत को अकेले नहीं होना चाहिए, जब तक कि उनका महरम साथ न हो।" (बुख़ारी व मुस्लिम)

4. साफ़-सुथरे और शरीफ़ाना लिबास पहनें
अच्छा लिबास पहनना इस बात की अलामत है कि आप मेहमान की क़द्र करते हैं। रसूल (□) ने फ़रमाया: "अल्लाह ख़ूबसूरत है और ख़ूबसूरती को पसंद करता है।" (मुस्लिम)

5. मेहमान को आराम से बैठने की जगह दें
मेहमान को तसल्ली से बैठाना उसकी तवज्जो और इज़्ज़त का सुबूत है। रसूल (□) ने फ़रमाया: "जो अल्लाह और आख़िरत के दिन पर ईमान रखता है, वो अपने मेहमान को अच्छी जगह दे।" (बुख़ारी व मुस्लिम)

6. सफ़ाई और तरतीब का ख़याल रखें
घर की सफ़ाई और सलीक़ा मेहमान को इत्मिनान और सुकून देता है। रसूलुल्लाह (□) सफ़ाई पसंद फ़ित्रत के हामी थे।

7. नर्मी और तहज़ीब से पेश आएं
अच्छे अख़लाक़ वाला इंसान हमेशा मेहमान से तहज़ीब और लिहाज़ के साथ पेश आता है। रसूल (□) ने फ़रमाया:
"तुम में सबसे बेहतर वो है, जिसका अख़लाक़ बेहतर हो।" (बुख़ारी व मुस्लिम)

8. मेहमान की प्राइवसी का एहतिराम करें
कभी भी मेहमान की निज़ी ज़िंदगी में दख़लअंदाज़ी ना करें, और उसकी इजाज़त के बग़ैर कोई राज़ ज़ाहिर ना करें।
रसूल (□) ने फ़रमाया: "जो अपने भाई के राज़ को छुपाए, अल्लाह उसके राज़ को छुपाएगा।" (अहमद)

9. मेहमान की अच्छी ख़िदमत करें
मेज़बान का फ़र्ज़ है कि वो मेहमान को खाना वग़ैरह दे और उसकी दिल से ख़िदमत करे। रसूल (□) ने फ़रमाया:
"जो अल्लाह और आख़िरत के दिन पर ईमान रखता है, वो अपने मेहमान को खाना खिलाए।"(बुख़ारी व मुस्लिम)

10. मेहमान को घर से रुख़्सत करते वक़्त साथ चलें
मेहमान को घर से बाहर तक छोड़ना एक एहतराम की अलामत है। रसूल (□) ने फ़रमाया: "जो अल्लाह और आख़िरत के दिन पर ईमान रखता है, वो अपने मेहमान के साथ चले।" (बुख़ारी व मुस्लिम)

UPSSSC ने 170 पदों पर निकाली भर्ती, फीस 25 रुपए

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने 170 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट upsssc.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
09 जून से 29 जून 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश की 12वीं या सरकार द्वारा उसके समकक्ष अन्य परीक्षा पास की हो।
वे ही उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं जिन्होंने पीईटी - 2025 एग्जाम पास की हो।

शारीरिक योग्यता :
पुरुषों की न्यूनतम ऊंचाई : 167.6 सेमी
सामान्य वर्ग की महिलाओं की न्यूनतम ऊंचाई : 160 सेमी
अनुसूचित जाति की महिलाओं के लिए न्यूनतम ऊंचाई : 152 सेमी
पुरुषों का सीना : न्यूनतम 84 सेमी (फुलाने पर) और रिजर्व कैटेगरी के लिए 82 सेंटीमीटर फुलाने पर हो।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 40 साल
आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में नियमानुसार छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
पीईटी स्कोर के बेसिस पर शॉर्टलिस्टिंग
रिटन एग्जाम
फिजिकल टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

फीस :
सभी कैटेगरी के लिए : 25 रुपए

सैलरी:
21,700 - 69,100 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट upsssc.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर "Live Advertisement" सेक्शन में संबंधित विज्ञापन पर क्लिक करें।
PET-2025 रजिस्ट्रेशन नंबर से लॉगिन करें।
आवेदन फॉर्म में जरूरी जानकारी भरें।
फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें।

NTPC में 250 पदों पर भर्ती, 23 अप्रैल से शुरू आवेदन

नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NTPC) में 250 पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट careers.ntpc.co.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
23 अप्रैल से 07 मई 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से संबंधित पद के अनुसार मैकेनिकल या इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में कम से कम 40% अंकों के साथ बीई/बीटेक की डिग्री।

एज लिमिट :
अधिकतम : 35 साल
उम्र की गणना 7 मई के आधार पर की जाएगी।
आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
शॉर्टलिस्टिंग/स्क्रीनिंग
रिटन एग्जाम/कंप्यूटर आधारित परीक्षा
पर्सनल इंटरव्यू
मेडिकल टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

सैलरी :
55,000 रुपए प्रतिमाह
अन्य अलाउंस का लाभ भी मिलेगा।

फीस :
सामान्य, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी : 500 रुपए
अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति,दिव्यांग,महिला उम्मीदवार : निःशुल्क

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट careers.ntpc.co.in पर जाएं।
अप्लाई ऑनलाइन पर क्लिक करें।
जरूरी डॉक्यमेंट्स दर्ज करें।
रजिस्ट्रेशन करने के बाद लॉग इन करके फॉर्म भरें।
फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

SSC ने स्टेनोग्राफर के 731 पदों पर निकाली भर्ती

स्टाफ सिलेक्शन कमीशन ने 731 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। फीस जमा करने की आखिरी तारीख 16 मई 2026 है। वहीं आवेदन में करेक्शन के लिए 20 से 21 मई 2026 तक करेक्शन विंडो खुली रहेगी। नए पोर्टल पर वन टाइम रजिस्ट्रेशन (OTR) करना जरूरी है, क्योंकि पुराने प्लेटफॉर्म पर किया गया रजिस्ट्रेशन अब मान्य नहीं होगा।

आवेदन शुरू :
24 अप्रैल से 15 मई 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
12वीं पास
स्टेनोग्राफी में एक्सपर्ट होना चाहिए।

एज लिमिट :
ग्रेड सी: 18 - 30 साल
ग्रेड डी: 18 - 27 साल
आयु की गणना 1 अगस्त 2026 के अनुसार की जाएगी।
आरक्षित वर्गों (SC, ST, OBC, PwBD और पूर्व सैनिक) को सरकारी नियमों के अनुसार आयु में छूट दी जाएगी।

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 100 रुपए
एससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी, महिला : निःशुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
कंप्यूटर बेस्ड एग्जाम
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट ssc.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करें।

रॉयल पत्रिका

जयपुर से प्रकाशित होने वाले हिंदी अख़बार "रॉयल पत्रिका" साप्ताहिक में आप वैवाहिक, मकान बेचना है, मकान खरीदना है, इत्यादि के विज्ञापन देकर अपना वक़्त बचा सकते हैं। यह विज्ञापन बहुत ही रियायती रेट में छापे जाते हैं। विज्ञापन बुक करवाने के लिए संपर्क करें -

9772552446/9799559096

CRPF में 9175 पदों का नोटिफिकेशन जारी, 20 अप्रैल से आवेदन शुरू

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) ने कॉन्स्टेबल (तकनीकी, ट्रेड्समैन और पायोनियर) के 9175 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। आवेदन प्रक्रिया की शुरुआत 20 अप्रैल से होगी। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट rect.crpf.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे।

आवेदन शुरू :
20 अप्रैल से 19 मई 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं पास
कॉन्स्टेबल (ड्राइवर) : 10वीं पास के साथ हैवी ट्रांसपोर्ट व्हीकल ड्राइविंग लाइसेंस होना चाहिए।
कुल तकनीकी ट्रेड्स में आईटीआई की डिग्री होना चाहिए।

एज लिमिट :
कॉन्स्टेबल (ड्राइवर) : 21 - 27 साल
अन्य सभी : 18 - 23 साल
सरकारी नियमों के अनुसार अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।

फीस :
जनरल, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी : 100 रुपए
महिला, एक्स सर्विसमैन : निःशुल्क

सैलरी :
21,700 - 60,100 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
फिजिकल एफिशिएंसी टेस्ट (PET)
फिजिकल स्टैंडर्ड टेस्ट (PST)
कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (CBT)
ट्रेड स्किल टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल टेस्ट

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rect.crpf.gov.in पर जाएं।
होम पेज पर Recruitment सेक्शन में क्लिक करें।
ऑनलाइन आवेदन लिंक पर क्लिक करें।
मांगी गई सभी डिटेल्स दर्ज करें।
जरूरी डाक्यूमेंट्स, फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें।
फीस का भुगतान करके फॉर्म सब्मिट कर दें।
इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

बैंक ऑफ बड़ौदा में क्लर्क की निकली भर्ती

बैंक ऑफ बड़ौदा ने क्लेरिकल कैडर (कस्टमर सर्विस एसोसिएट) में 30 खिलाड़ियों की भर्ती निकाली है। यह भर्ती उन स्पोर्ट्स पर्सन के लिए है जो राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं। पोस्टिंग के बाद 6 महीने का प्रोबेशन पीरियड होगा। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट bankofbaroda.bank.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
22 अप्रैल से 12 मई 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
ग्रेजुएशन की डिग्री

स्पोर्ट्स अचीवमेंट :
राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में राज्य या देश का प्रतिनिधित्व किया हो।
या जूनियर नेशनल, खेलो इंडिया या इंटर-यूनिवर्सिटी लेवल पर भाग लिया हो।

सिलेक्शन प्रोसेस :
खेल प्रदर्शन के बेसिस पर

एज लिमिट :
न्यूनतम : 20 साल
अधिकतम : 28 साल
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को नियमों के अनुसार आयु में छूट दी जाएगी।

सैलरी :
24,050 - 64,480 रुपए प्रतिमाह

फीस :
सामान्य,ईडब्ल्यूएस,ओबीसी: 850 रुपए
एससी,एसटी,महिला,भूतपूर्व सैनिक: 175 रुपए

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट bankofbaroda.in पर जाएं।
नया पेज खुलने पर 'Current openings' टैब पर क्लिक करें।
अप्लाई ऑनलाइन लिंक पर क्लिक करें।
रजिस्ट्रेशन करके फॉर्म भरें।
फीस का भुगतान करें।
फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट निकालकर रखें।

ISRO में 15 पदों पर भर्ती, सैलरी 1 लाख 77 हजार तक

इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन यानी ISRO के लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर ने 15 पदों पर भर्ती निकाली है। कैंडिडेट्स www.lpsc.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
28 अप्रैल से 12 मई 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
संबंधित क्षेत्र में बीई, बीटेक, एमई, एमटेक की डिग्री।
एज लिमिट : पद के अनुसार अधिकतम 28 - 30 साल

सैलरी :
लेवल - 10 के अनुसार, 56,100 - 1,77,500 रुपए प्रतिमाह

फीस :
महिला, एससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी, एक्स सर्विसमैन : 750 रुपए (रिटन टेस्ट के बाद पूरी फीस रिफंड कर दी जाएगी।)
अन्य सभी : 750 रुपए (रिटन टेस्ट के बाद 500 रुपए रिफंड कर दिए जाएंगे।)

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट www.lpsc.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर "Register" या "New Registration" पर क्लिक करें।
अप्लाई नाउ पर क्लिक करके जरूरी डिटेल्स दर्ज करें।
मांगे गए डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

राजस्थान में 3,540 भर्ती का नोटिफिकेशन जारी, 5 मई से शुरू आवेदन

राजस्थान कर्मचारी चयन आयोग ने टीचिंग एसोसिएट्स (Raj-CES) 2026 भर्ती का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इस भर्ती अभियान के जरिए 3,540 पद भरे जाएंगे। 5 मई को अप्लाई लिंक एक्टिव होने के बाद उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे। यह भर्ती कॉन्ट्रैक्चुअसल बेसिस पर की जाएगी।

आवेदन शुरू :
05 मई से 03 जून 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
NET/SLET/पीएचडी की डिग्री।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 21 साल
अधिकतम : 40 साल

फीस :
जनरल, ओबीसी : 600 रुपए
ओबीसी (NCL), ईडब्ल्यूएस, एससी, एसटी : 400 रुपए
पीडब्ल्यूडी : 400 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम के बेसिस पर

सैलरी :
28,850 रुपए प्रतिमाह
मिनिमम क्वालिफाइंग मार्क्स :
जनरल कैटेगरी : हर पेपर के लिए 36%
एससी, एसटी : हर पेपर में 5% का रिलैक्सेशन दिया जाएगा।

ऐसे करें आवेदन :
एसएसओ पोर्टल sso.rajasthan.gov.in पर जाएं।
अपनी SSO ID और पासवर्ड से लॉग इन करें।
Recruitment Portal पर जाकर Teaching Associate Apply Link पर क्लिक करें।
यदि नए यूजर है तो वन टाइम रजिस्ट्रेशन (OTR) पूरा करें।
मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(पिछले अंक से जारी)

(रणनीति)

46. अंग्रेज ईस्ट इंडिया कंपनी को भारत में व्यापार करने की अनुमति किसने दी थी?
(A) अकबर (B) औरंगजेब
(C) जहांगीर (D) शाहजहाँ
उत्तर: (C)
व्याख्या: 1608 ई. में जहांगीर ने अंग्रेज व्यापारी विलियम हॉकिन्स को भारत में व्यापार की अनुमति दी।

47. भारत में पहला अंग्रेजी कारखाना कहाँ स्थापित किया गया था?
(A) सूरत (B) मद्रास
(C) बंबई (D) कलकत्ता
उत्तर: (A) व्याख्या: 1613 ई. में अंग्रेजों ने सूरत में अपना पहला व्यापारिक कारखाना स्थापित किया।

48. 'प्लासी का युद्ध' कब हुआ था?
(A) 1757 ई. (B) 1764 ई.
(C) 1799 ई. (D) 1857 ई.
उत्तर: (A) व्याख्या: 1757 ई. में प्लासी का युद्ध अंग्रेजों और सिराजुद्दौला के बीच हुआ जिसमें अंग्रेज विजयी हुए।

49. 'बक्सर का युद्ध' कब हुआ था?
(A) 1757 ई. (B) 1764 ई.
(C) 1773 ई. (D) 1799 ई.
उत्तर: (B) व्याख्या: 1764 ई. में बक्सर का युद्ध हुआ जिसमें मीर कासिम, शुजा-उद-दौला और शाह आलम द्वितीय की संयुक्त सेना पर क्लाइव की विजय हुई।

50. 'डायरेक्टर्स का विनियमन अधिनियम (Regulating Act)' किस वर्ष पारित हुआ?
(A) 1773 ई. (B) 1784 ई.
(C) 1813 ई. (D) 1858 ई.
उत्तर: (A) व्याख्या: 1773 का रेगुलेटिंग एक्ट कंपनी के प्रशासनिक कार्यों को नियंत्रित करने के लिए ब्रिटिश संसद द्वारा पारित किया गया था।

51. 'पिट्स इंडिया एक्ट' कब पारित हुआ?
(A) 1773 ई. (B) 1784 ई.
(C) 1793 ई. (D) 1813 ई.
उत्तर: (B) व्याख्या: 1784 का पिट्स इंडिया एक्ट कंपनी पर ब्रिटिश सरकार के नियंत्रण को और सशक्त बनाता है।

52. 'स्थायी बंदोबस्त प्रणाली' किसने लागू की?
(A) वारेन हेस्टिंग्स
(B) लॉर्ड कॉर्नवालिस
(C) लॉर्ड वेलेजली
(D) लॉर्ड विलियम बेंटिंक
उत्तर: (B) व्याख्या: 1793 ई. में लॉर्ड कॉर्नवालिस ने बंगाल में स्थायी बंदोबस्त प्रणाली लागू की।

53.'रैयतवारी प्रणाली' का आरंभ किसने किया था?
(A) थॉमस मुनरो
(B) लॉर्ड हेस्टिंग्स
(C) वेल्सली (D) कॉर्नवालिस
उत्तर: (A)
व्याख्या: थॉमस मुनरो ने मद्रास में रैयतवारी प्रणाली लागू की थी जिसमें किसान सीधे सरकार को कर देते थे।

54. 'महलवारी प्रणाली' का आरंभ किसने किया था?
(A) रॉबर्ट बर्ड (B) हेस्टिंग्स
(C) वेल्सली (D) कॉर्नवालिस
उत्तर: (A) व्याख्या: रॉबर्ट बर्ड ने उत्तर भारत में महलवारी प्रणाली शुरू की जिसमें पूरे गाँव को एक इकाई माना गया।

55. 'सती प्रथा' को किसने समाप्त किया?
(A) राजा राममोहन राय
(B) ईश्वरचंद्र विद्यासागर
(C) लॉर्ड बेंटिंक (D) लॉर्ड डलहौजी
उत्तर: (C) व्याख्या: 1829 ई. में लॉर्ड बेंटिंक ने राजा राममोहन राय के प्रयासों से सती प्रथा पर प्रतिबंध लगाया।

56. 'विदवा पुनर्विवाह अधिनियम' किस वर्ष पारित हुआ?
(A) 1848 ई. (B) 1850 ई.
(C) 1856 ई. (D) 1861 ई.
उत्तर: (C)
व्याख्या: 1856 ई. में लॉर्ड डलहौजी के समय ईश्वरचंद्र विद्यासागर के प्रयासों से विधवा पुनर्विवाह अधिनियम पारित हुआ।

57. '1857 की क्रांति' का तत्काल कारण क्या था?
(A) सैन्य असंतोष
(B) नई राइफल कारतूसों का प्रयोग
(C) भूमि नीति
(D) धार्मिक भेदभाव
उत्तर: (B)
व्याख्या: नई राइफल कारतूसों में गाय और सुअर की चर्बी के उपयोग की अफवाह से सैनिकों में विद्रोह हुआ।

58. 1857 की क्रांति का आरंभ कहाँ से हुआ?
(A) दिल्ली (B) कानपुर
(C) मेरठ (D) लखनऊ
उत्तर: (C)
व्याख्या: 10 मई 1857 को मेरठ से सैनिकों ने विद्रोह शुरू किया जो शीघ्र ही पूरे उत्तर भारत में फैल गया।

59. 1857 के विद्रोह के दौरान बहादुर शाह ज़फ़र कहाँ के सम्राट घोषित हुए?
(A) दिल्ली (B) लखनऊ
(C) कानपुर (D) झांसी
उत्तर: (A) व्याख्या: विद्रोह के दौरान दिल्ली में बहादुर शाह ज़फ़र को भारत का सम्राट घोषित किया गया।

60. 1857 की क्रांति में रानी लक्ष्मीबाई ने कहाँ वीरगति पाई?
(A) झांसी (B) कालपी
(C) ग्वालियर (D) कानपुर
उत्तर: (C) व्याख्या: रानी लक्ष्मीबाई ने 1858 में ग्वालियर में वीरगति प्राप्त की।

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

Biology स्टूडेंट मेडिकल के अलावा इन 5 फील्ड में बना सकते हैं करियर

आज के समय में ज्यादातर बच्चे जो Biology स्ट्रीम चुनते हैं, उनका पहला सपना डॉक्टर बनना होता है। MBBS या मेडिकल की पढ़ाई को लेकर छात्रों में बहुत क्रेज है। लेकिन हकीकत यह है कि मेडिकल सीटें बहुत सीमित हैं और प्रतियोगिता काफी कठिन है। हर साल लाखों बच्चे NEET जैसे एग्जाम में शामिल होते हैं, लेकिन केवल कुछ हज़ार को ही एडमिशन मिल पाता है। आइए जानते हैं ऐसे 5 करियर विकल्प, जहां बायोलॉजी स्टूडेंट्स मेडिकल के अलावा भी चमकदार करियर बना सकते हैं।

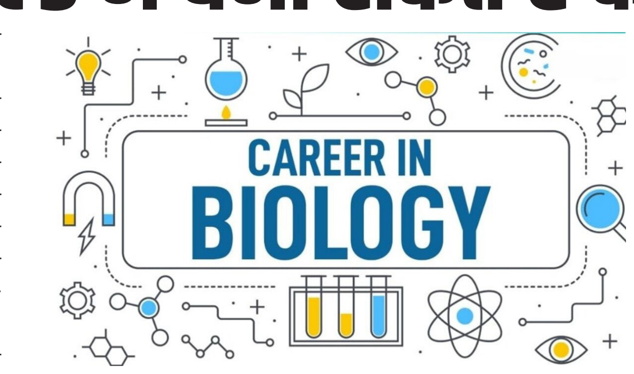

बायोटेक्नोलॉजी (Biotechnology)
बायोटेक्नोलॉजी को बायोलॉजी और टेक्नोलॉजी का बेहतरीन मेल कहा जाता है। इस फील्ड में जीव विज्ञान के सिद्धांतों का इस्तेमाल करके नई दवाइयाँ, वैक्सीन, फूड प्रोडक्ट्स, एनवायरनमेंट फ्रेंडली टेक्नोलॉजी और जेनेटिक रिसर्च की जाती है।

क्यों चुनें यह फील्ड?
इसमें रिसर्च और इनोवेशन के ढेरों मौके हैं। मेडिकल रिसर्च कंपनियां, फार्मा इंडस्ट्री, फूड प्रोसेसिंग, एग्रीकल्चर और पर्यावरण क्षेत्र में बायोटेक्नोलॉजिस्ट की बड़ी डिमांड है। आने वाले समय में जीन एडिटिंग (CRISPR), क्लोनिंग और सेल थेरेपी जैसी तकनीकें इस सेक्टर को और भी बड़ा बना देंगी।

कोर्स
B.Sc./M.Sc. in Biotechnology
B.Tech/M.Tech in Biotechnology

सैलरी
शुरुआती स्तर पर 4–6 लाख रुपये प्रतिवर्ष।
अनुभव और रिसर्च के साथ 10–20 लाख रुपये सालाना या उससे ज्यादा भी।

माइक्रोबायोलॉजी
जीवाणुओं (microorganisms) की दुनिया का अध्ययन है। इसमें बैक्टीरिया, वायरस, फंगस और अन्य सूक्ष्मजीवों की संरचना, कार्य और उनके उपयोग को समझा जाता है। यह फील्ड आज फार्मास्युटिकल्स, हैल्थ सेक्टर, एनवायरनमेंटल साइंस और फूड इंडस्ट्री में अहम भूमिका निभा रही है।

क्यों चुनें यह फील्ड?
वैक्सीन और एंटीबायोटिक बनाने से लेकर वेस्ट मैनेजमेंट और फूड प्रिजर्वेशन तक, माइक्रोबायोलॉजिस्ट हर जगह ज़रूरी हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान माइक्रोबायोलॉजिस्ट की अहमियत पूरी दुनिया ने देखी।

कोर्स
B.Sc./M.Sc. in Microbiology
Specialized courses in Medical Microbiology, Industrial Microbiology

सैलरी
शुरुआती स्तर पर 3–5 लाख रुपये सालाना।
अनुभव और रिसर्च के साथ 12–18 लाख रुपये प्रतिवर्ष।

एनवायरनमेंटल साइंस (Environmental Science)
आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, वनों की कटाई और ग्लोबल वॉर्मिंग जैसी समस्याओं से जूझ रही है। ऐसे में एनवायरनमेंटल साइंस का महत्व बहुत बढ़ गया है। इस फील्ड में बायोलॉजी के स्टूडेंट्स पर्यावरण की सुरक्षा, रिसर्च और नीतियों को बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

क्यों चुनें यह फील्ड?
गवर्नमेंट और प्राइवेट सेक्टर में एनवायरनमेंट एक्सपर्ट्स की भारी मांग है। NGOs, वाइल्डलाइफ ऑर्गेनाइजेशन, यूनाइटेड नेशंस, वर्ल्ड बैंक जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थान भी इस क्षेत्र में काम कर रहे युवाओं को मौका देते हैं।

कोर्स
B.Sc./M.Sc. in Environmental Science
Diploma in Environment Management
Ph.D. in Environment Studies

सैलरी
शुरुआती स्तर पर 4–6 लाख रुपये प्रतिवर्ष।
अनुभव और अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स से जुड़ने पर 15–20 लाख रुपये सालाना।

किडनी खराब होने से बचाने के लिए रोज कितना पानी पीना चाहिए

-पानी की सही मात्रा जानकर रखें किडनी को हेल्दी

पानी सिर्फ प्यास बुझाने का साधन नहीं, बल्कि जीवन के लिए सबसे बुनियादी जरूरत है। शरीर के लगभग 60-70% हिस्से में पानी मौजूद होता है और यह हर अंग के सही तरीके से काम करने के लिए आवश्यक है। खासकर किडनी (गुर्दे) के लिए पानी एक तरह से "जीवन रक्षक" है। किडनी का मुख्य काम है – खून से अपशिष्ट पदार्थ (वेस्ट), टॉक्सिन्स और अतिरिक्त पानी को छानकर मूत्र के रूप में बाहर निकालना। लेकिन अगर हम पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पीते, तो यह प्रक्रिया धीमी हो जाती है और किडनी पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। लंबे समय में यह आदत किडनी फेलियर, पथरी (किडनी स्टोन) और अन्य गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है।

किडनी के लिए पानी क्यों जरूरी है?
वेस्ट को बाहर निकालना: पानी शरीर से यूरिया, क्रिएटिनिन और अन्य टॉक्सिन्स को मूत्र के जरिए बाहर निकालने में मदद करता है। किडनी स्टोन से बचाव: पर्याप्त पानी पीने से मूत्र पतला रहता है और इसमें मिनरल्स का जमाव नहीं होता, जिससे पथरी बनने का खतरा कम हो जाता है। ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखना: पानी सही मात्रा में होने से ब्लड वॉल्यूम ठीक रहता है, जिससे हाई ब्लड प्रेशर का खतरा घटता है – और यह किडनी हेल्थ के लिए फायदेमंद है। इंफेक्शन से बचाव: पर्याप्त पानी पीने से यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन (UTI) की संभावना कम हो जाती है।

डॉक्टरों के मुताबिक रोज कितना पानी पीना चाहिए?
नेफ्रोलॉजिस्ट और डाइटीशियन के अनुसार, एक स्वस्थ व्यक्ति को रोजाना 2 से 3 लीटर (लगभग 8–12 गिलास) पानी पीना चाहिए। हालांकि, यह

मात्रा उम्र, वजन, मौसम और एक्टिविटी लेवल पर निर्भर करती है।

सामान्य गाइडलाइन:
पुरुष: लगभग 3 लीटर (12–13 गिलास)
महिला: लगभग 2.2 लीटर (8–10 गिलास)
गर्मी के मौसम में: पसीने की वजह से ज्यादा पानी की जरूरत होती है – लगभग 3.5 लीटर तक।
एक्सरसाइज करने वालों को: पसीना ज्यादा निकलने पर पानी के साथ इलेक्ट्रोलाइट्स भी लेना चाहिए।

कम पानी पीने के नुकसान
किडनी फेलियर: लंबे समय तक डिहाइड्रेशन किडनी को स्थायी नुकसान पहुंचा सकता है।
किडनी स्टोन: पानी की कमी से मिनरल्स क्रिस्टल का रूप ले लेते हैं और पथरी बनाते हैं।
यूटीआई का खतरा: बैक्टीरिया आसानी से पनपते हैं क्योंकि मूत्र का फ्लो कम हो जाता है।
थकान और चक्कर: शरीर में पानी की कमी से ब्लड सर्कुलेशन और ऑक्सीजन सप्लाई प्रभावित होती है।

कितना पानी ज्यादा है?
ज्यादा पानी पीना भी हानिकारक हो सकता है, खासकर अगर आपकी किडनी या हार्ट में पहले से कोई समस्या है। बहुत ज्यादा पानी पीने से हाइपोनेट्रेमिया (शरीर में सोडियम लेवल का गिरना) हो सकता है, जो खतरनाक है।
इसलिए, पानी की मात्रा हमेशा डॉक्टर की सलाह और अपने शरीर के संकेतों के अनुसार लें।

पानी पीने का सही तरीका
सुबह खाली पेट: उठते ही 1–2 गिलास गुनगुना पानी पिएं।
थोड़ा-थोड़ा कर के: एक साथ बहुत ज्यादा पानी न पिएं, दिनभर में थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पिएं।
प्यास का इंतजार न करें: प्यास लगना डिहाइड्रेशन का पहला संकेत है, इसलिए समय-समय पर पानी पिएं।
गर्मी में ज्यादा ध्यान: धूप में या पसीना आने पर पानी की मात्रा बढ़ाएं।

किडनी हेल्थ के लिए अतिरिक्त टिप्स
सोडा और कोल्ड ड्रिंक से बचें: इनमें मौजूद फॉस्फेट और शुगर किडनी को नुकसान पहुंचाते हैं।
संतुलित डाइट लें: नमक और प्रोसेस्ड फूड कम करें।
ब्लड प्रेशर और शुगर कंट्रोल करें: डायबिटीज और हाई बीपी किडनी खराब होने के मुख्य कारण हैं।
रेगुलर चेकअप कराएं: अगर फैमिली में किडनी डिजीज का इतिहास है तो साल में कम से कम एक बार किडनी फंक्शन टेस्ट करवाएं। किडनी को स्वस्थ रखने के लिए रोजाना पर्याप्त पानी पीना एक आसान और प्रभावी तरीका है। डॉक्टरों का कहना है कि औसतन 2–3 लीटर पानी पीना अधिकांश लोगों के लिए सुरक्षित और फायदेमंद है।

सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया बारां जिला कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

बारां (रॉयल पत्रिका)। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ़ इंडिया (SDPI) जिला बारां की बैठक गुरुवार को तालाब पाड़ा स्थित पार्टी के कार्यालय पर सम्पन्न हुई। शुरुआती दौर में जिला महासचिव अलीम मंसूरी में सबका इस्तकबाल किया उसके बाद एसडीपीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम. के. फैजी के टोंक दौरे ओर सभा में बारां जिले के पदाधिकारी ओर कार्यकर्ताओं को ज्यादा से ज्यादा पहुंचने पर जोर दिया गया। जिला बैठक में बहुत से मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में उर्दू विषय का सबसे अहम मुद्दा रहा ओर जिस तरह से बारां में मकानों को ध्वस्त करने की कार्रवाई प्रशासन द्वारा अमल में लाई जा रही है उस पर पारदर्शिता होना चाहिए सुप्रीम कोर्ट ने 2024 में कहा कि बुलडोजर कार्रवाई बिना कानूनी प्रक्रिया के नहीं हो सकती और यह कानून के शासन के खिलाफ है उसका एक क्राइटेरिया होना चाहिए उसमें लोगों की भावनाओं को मध्य नजर रखते हुए प्रशासन को काम करना चाहिए और इस पर कार्यवाही पर लीगल अवेयरनेस पर काम करने की जरूरत है उसके लिए एक ओपन डिस्केशन होना चाहिए, सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई बैठक में प्रदेश अध्यक्ष अशफाक हुसैन, प्रदेश महासचिव नदीम अख्तर बारां, प्रभारी मोहम्मद जावेद, प्रदेश कोषाध्यक्ष जाकिर हुसैन रंगरेज, प्रदेश कमेटी मेंबर इफ्तिखार अहमद, जिलाध्यक्ष अब्दुल अजीज उर्फ अज्जू भाई सहित तमाम जिला कमेटी के पदाधिकारी ओर सदस्य मौजूद रहे। अंत में जिला अध्यक्ष अब्दुल अज़ीज़ ने मीटिंग में पधारने पर सबका शुक्रिया अदा किया।

गांवों में रथों से पहुंचा योजनाओं का संदेश

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में चार एलईडी मोबाईल वैन से 15 दिवसीय ग्राम रथ अभियान के तहत शुक्रवार को भी विभिन्न गांवों में ऑडियो वीडियो व नुक्कड़ नाटक के माध्यम से योजनाओं का संदेश दिया गया है। यह अभियान में जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों में मोबाईल वैन की एलईडी स्कीन पर किसानों को खेती बाडी की आधुनिक तकनीकों और उन्नत कृषि पद्धतियों के बारे में जानकारी दी जा रही है और संध्या चौपाल एवं कला जत्था के माध्यम से ग्रामीणों को योजनाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है। ग्रामीणों के सुझावों के लिए रथों पर सुझाव पेटिका रखी गई है। जिनके जरिए प्राप्त सुझावों का विश्लेषण कर भविष्य में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को और अधिक जनोपयोगी और पारदर्शी बनाया जाएगा।

ग्राम रथ देखने उमड़ा हुजूम

शनिवार को ग्रामीण बहुल विधानसभा क्षेत्र अंता में नियाना, खजूरनाकलां, बमूलियामाताजी,

दुगारी, ठीकरिया बारां-अटरू में करनाहेडा, कलमंडा, उम्मेदगंज, फूंसरा एवं किशनगंज में भंवरगढ, घट्टी, परानिया, पचलावड़ा, नाहरगढ छबड़ा में कलमोदिया, दीगोदजागीर, हरनावदाशाहजी, कुम्भाखेड़ी, कचनारियाकलां में ग्राम रथों से राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिनमें एलईडी स्क्रीन के माध्यम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संदेश प्रसारित कर जनता और सरकार के बीच सीधा संवाद स्थापित किया जा रहा है। योजनाओं को रोचक बनाने के लिए लोक कलाकारों द्वारा शाम के समय गांवों में 'संध्या चौपाल' में कला जत्था के माध्यम से योजनाओं को गीतों और नाटकों के जरिए प्रभावी ढंग से समझाया गया। ग्राम रथ को देखने के लिए ग्रामीणों का हुजूम उमड पड़ा।

डॉ. जमालुद्दीन मस्तान बने प्रदेशाध्यक्ष

रामगंजमंडी (रॉयल पत्रिका)। गौरतलब है कि न्यू आदर्श श्रमजीवी पत्रकार संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सहमति से और राष्ट्रीय अध्यक्ष डी. एल. शर्मा के आदेशानुसार वरिष्ठ पत्रकार डॉ. जमालुद्दीन मस्तान को संगठन में प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान के पद पर नियुक्त किया गया। संगठन की पांच दिवसीय यात्रा झालरापाटन राजस्थान से शुरू हुई जो जयपुर, दिल्ली, ऋषिकेश उत्तराखंड पहुंचेगी इस दौरान डी एल शर्मा द्वारा डॉ. जमालुद्दीन मस्तान को प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान एवं डॉ. अब्दुल रऊफ तोहिद को संभाग अध्यक्ष कोटा के पद पर नियुक्त कर डी एल शर्मा द्वारा दोनों को माला पहना नियुक्ति पत्र देकर उनका सम्मान किया और संगठन के कार्य के विस्तार हेतु नवीन दायित्व की बधाई शुभकामनाएं दी। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष डी एल शर्मा, राष्ट्रीय महासचिव डॉ. तेजसिंह किराड़, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ललित गुप्ता, मोनू मस्तान, भारत सिंह आदि उपस्थित रहे।

एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनलस द्वारा सिलाई मशीन का वितरण

कोटा (रॉयल पत्रिका)। शहर के विज्ञान नगर स्थित एक निजी संस्थान में ए एम पी कोटा की जानिब से शनिवार 02 मई 2026 को स्वरोजगार योजना हेतु ज़कात की हक़दार तीन निर्धन महिलाओं शबनम अन्शीना और कशिश को अम्ब्रेला सिलाई मशीनें वितरित की गई। मीडिया प्रभारी अशफाक़ अंसारी के अनुसार प्रोग्राम की अध्यक्षता अरशद हुसैन अंसारी चेयरमैन वाई जी एन एजूकेशन ग्रुप ने की तथा मुख्य अतिथि मोहम्मद मुस्लिम खान रहे। कार्यक्रम में ए एम पी कोटा चेप्टर सेक्रेट्री शाहनवाज़ खान, अब्दुल मजीद अंसारी, नियामतुल्लाह, महमूद अली, तौसीफ, आरिफ, ज़रीना खान, परवीन खान, सभा अमीन आदि मौजूद रहे। एम पी कोटा संभाग के क्लस्टर हेड इंजीनियर सिराज अहमद अंसारी ने ए एम पी की गतिविधियों की जानकारी दी। प्रोग्राम का संचालन सोहेल कुरेशी ने किया। प्रोग्राम का समापन ए एम पी कोटा चेप्टर सेक्रेट्री शाहनवाज़ खान के धन्यवाद अर्पण के साथ हुआ।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा कोटा जिलाध्यक्ष साहिल मिर्ज़ा के बारां आगमन पर हुआ स्वागत

बारां (रॉयल पत्रिका)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा कोटा के जिलाध्यक्ष साहिल मिर्ज़ा के प्रथम बार बारां आगमन पर मंगलवार को भाजपा के पूर्व शहर उपाध्यक्ष इकबाल नेता के निजी आवास पर भव्य स्वागत किया गया। उनके साथ वाजिद मिर्ज़ा, इस्माईल मिर्ज़ा ओर चांद बेग का भी माला पहनाकर गर्मजोशी के साथ इस्तकबाल किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने अपनी अपनी बात ओर समस्याएं रखी। जिस पर कोटा जिलाध्यक्ष साहिल मिर्ज़ा ने उनकी बात को शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। इस दौरान इस दौरान नगर अध्यक्ष असलम मंसूरी, पूर्व वाईस चेयरमैन अब्दुल रज्जाक मांगरोल, पूर्व जिलाध्यक्ष सईद अहमद, नगर मंडल मंत्री जाकिर भाई, मोहम्मद इलियास, युवा नेता वाजिद सलीम, मुन्ना पठान, उमर वेल्डर, पप्पू नेता, मोहम्मद दानिश, गयासुद्दीन शप्पू भाई, मुन्ना टेलर, शाहिद स्टॉक, इरशाद नेता, शाहिद जोनी, अरशद नेता, मोहम्मद इकराम सहित कई लोग मौजूद रहे।

खीमच की बेटी अज़म अली बनी आरएससीआईटी टॉपर

- 81 प्रतिशत अंक हासिल कर बढ़ाया मान

डॉ. तोहिद

सुकेत/खीमच (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के रिलायबल कंप्यूटर सेंटर की छात्रा अज़म अली पुत्री आसिफ अली ने आरएससीआईटी परीक्षा में 81 प्रतिशत अंक प्राप्त कर न केवल अपने परिवार बल्कि संस्थान का भी नाम रोशन किया है। संस्थान के डायरेक्टर डॉ. ज़रीफ अहमद ने बताया कि 12 अप्रैल को आयोजित आरएससीआईटी परीक्षा में अज़म अली बैच टॉपर रही। इस बैच में कुल 36 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें से 24 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में सफलता हासिल की। उन्होंने बताया कि वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित इस परीक्षा का प्रमाण पत्र सरकारी नौकरियों के लिए भी महत्वपूर्ण माना जाता है। अज़म अली ने अपनी मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन के बलबूते यह उपलब्धि हासिल की। इसी क्रम में विशाखा पुत्री मुकेश सालावद और खुशी पुत्री कन्हैयालाल ने भी 80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संस्थान का नाम गौरवान्वित किया।

झालावाड़ वन विभाग की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई

-अवैध नीम-सेमल-चुरेल लकड़ी से भरे पांच ट्रैक्टर जब्त

फिरोज खान वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। उप वन संरक्षक सागर पंवार के निर्देश पर अवैध वन गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत वन विभाग को बड़ी सफलता मिली है। क्षेत्रीय वन अधिकारी विक्रम जलंधर के नेतृत्व में 3 मई 2026 को गश्ती दल झालावाड़ ने रेंज बकानी में कार्रवाई करते हुए अवैध पंचमेल लकड़ी का परिवहन कर रहे पांच ट्रैक्टर जब्त किए। रविवार को रेंज बकानी क्षेत्र में गश्त के दौरान टीम ने नीम, सेमल और चुरेल की अवैध लकड़ी से भरे पांच ट्रैक्टर पकड़े। सभी वाहनों को जब्त कर वन अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। कार्रवाई के दौरान क्षेत्रीय वन अधिकारी विक्रम जलंधर के साथ वाहन चालक फिरोज खान, वनरक्षक हनुमान सिंह, वनरक्षक अनित कुमार व अन्य स्टाफ मौजूद रहा। उप वन संरक्षक सागर पंवार ने बताया कि जिले में अवैध कटाई और लकड़ी तस्करी पर वन विभाग लगातार नजर रखे हुए है। गैर-कानूनी वन गतिविधियों पर रोकथाम के लिए विशेष अभियान जारी रहेगा और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

झालावाड़ जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की

-निजी स्कूलों में नियमों की उड़ रही धज्जियां, किताबों के नाम पर अवैध वसूली का आरोप

फिरोज खान वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। झालावाड़ जिले में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ ही निजी स्कूलों की मनमानी सामने आने लगी है। आरटीआई कार्यकर्ता सुनील कुमार तिवारी और नकुल दत्त ने निजी स्कूलों द्वारा अभिभावकों से अवैध वसूली और निर्धारित दुकानों से महंगी किताबें खरीदने के लिए मजबूर करने के विरोध में 1 मई 2026 को जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। सुनील तिवारी ने बताया कि जिले के कई निजी शिक्षण संस्थान सत्र शुरू होते ही अभिभावकों का आर्थिक शोषण कर रहे हैं। स्कूलों ने NCERT की जगह निजी प्रकाशकों की किताबें पाठ्यक्रम में लगा रखी हैं। जो पुस्तकें सरकारी दर पर 70 से 100 रुपए में मिलनी चाहिए, उनके लिए अभिभावकों से 600 से 800 रुपए तक वसूले जा रहे हैं। यह लागत से करीब 10 गुना अधिक है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि कई स्कूल मौखिक या लिखित रूप से अभिभावकों को विशेष दुकानों से ही किताबें और यूनिफॉर्म खरीदने के लिए बाध्य कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने इसे कमीशनखोरी करार दिया है। नकुल दत्त ने कहा कि शिक्षा विभाग के स्पष्ट निर्देश हैं कि कोई भी स्कूल अभिभावकों को विशेष स्थान से सामग्री खरीदने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। इसके बावजूद जिले के नामचीन स्कूल नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। स्कूल प्रबंधन 'वैल्यू एडिशन' और 'बेहतर गुणवत्ता' के नाम पर निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें थोप रहे हैं। इससे मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए बच्चों को पढ़ाना मुश्किल हो गया है। आरटीआई कार्यकर्ताओं ने जिला शिक्षा अधिकारी से मामले में तत्काल जांच कर दोषी स्कूलों पर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि अभिभावकों को राहत नहीं मिली तो आंदोलन किया जाएगा।

ईदगाह कमेटी बारां की कार्यकारिणी घोषित

बारां (रॉयल पत्रिका)। ईदगाह कमेटी बारां के सदर जहीर अहमद कारपेंटर ने रविवार को अपनी कार्यकारणी की घोषणा की। रविवार को हुई कमेटी की बैठक में जिला वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी मौजूद रहे। कमेटी में पहले से ही सेकेट्री शोएब अख्तर बनाए गए थे। रविवार को घोषित हुई कमेटी में सरपरस्त अब्दुल रशीद पठान, अब्दुल शकूर चिश्ती, सलीम भाई शटर वाले, नायब सेकेट्री मास्टर शरफुद्दीन, कार्यकारणी सदस्य शाहिद मीट, कय्यूम गोरी, मास्टर मुमताज, इकबाल खरादी, जाकिर माई डियर, असलम कबाड़ी, अबरार अहमद, शादाब, रियाज, गुफरान को बनाया गया। बैठक में आगामी ईद उल अजहा की तैयारियों को लेकर चर्चा हुई।

रामगंजमंडी के 25 गांवों की 12 हजार हैक्टेयर भूमि के लिए रीवा के बैराज से पानी लाने के प्रयास आरंभ

डॉक्टर तोहिद

सुकेत/रामगंजमंडी (रॉयल पत्रिका)। उपखंड क्षेत्र में असिंचित 12 हजार हैक्टेयर भूमि को गांधीसागर बांध से मध्यप्रदेश के रीवा बैराज से पानी दिलाने की योजना पर काम शुरू हो गया है। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने इस पर कार्य शुरू कर दिया है। पिछले दिनों 24 अप्रैल 2026 को मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहनलाल यादव रामगंजमंडी में एक सम्मेलन में आए थे। इस दौरान मंत्री मदन दिलावर ने मुख्यमंत्री से इस योजना को लेकर विस्तार से चर्चा की थी। मुख्यमंत्री ने योजना को बेहतर बताते हुए प्रदेश के जलसंसाधन मंत्री तुलसीराम सालावट से चर्चा करने को कहा था। इस प्रस्ताव पर मंत्री मदन दिलावर शनिवार को इंदौर शहर पहुंचे। उन्होंने जलसंसाधन मंत्री तुलसीराम सालावट से मुलाकात की। दिलावर के साथ जलसंसाधन विभाग, अधीक्षण अभियंता (वृत्त कोटा) महेंद्रकुमार, अधिशासी अभियंता कोटा अनिल मीणा, कनिष्ठ अभियंता इंद्रकुमार रहे। दिलावर ने म.प्र. के जलसंसाधन मंत्री को बताया कि रामगंजमंडी क्षेत्र डार्क जोन में आता है। भूमिगत जलस्रोतों के अभाव में क्षेत्र की हजारों हैक्टेयर भूमि असिंचित है। करीब 20 हजार हैक्टेयर भूमि की सिंचाई के लिए कोई योजना नहीं है। इसका मुख्य कारण पानी का पर्याप्त स्रोत नहीं होना है। 12 हजार हैक्टेयर में गांधीसागर बांध से आसानी से सिंचाई हो सकती है। म.प्र. में भानपुरा के सीमावती गांधीसागर बांध की नहरों से सिंचाई सिंचाई की की जा रही है। नहरों का पानी रामगंजमंडी के सीमावर्ती गांवों को 12 हजार हैक्टेयर भूमि को सिंचित करने के लिए पर्याप्त है। इसके लिए असिंचित भूमि को गांधीसागर से म.प्र. में स्थित रीवा बैराज से नई फीडर चैनल के जरिए पानी दिलवाकर रामगंजमंडी को राहत दी जा सकती है। म.प्र. के मंत्री सालावट ने उच्च अधिकारियों के साथ प्रतिनिधिमंडल की बात को गंभीरता से लिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि योजना की बारीकी से जांच कर रामगंजमंडी को राहत देने का रास्ता निकालने का प्रयास करेंगे। इस दौरान जलसंसाधन मंत्री के साथ विभाग के प्रमुख शासन सचिव राजेश राजौरा व अधिकारी साथ रहे। एमपी का भानपुरा क्षेत्र गांधीसागर बांध से लगा हुआ है। भानपुरा क्षेत्र के उत्तरी हिस्से में रेवा नदी का प्रभाव क्षेत्र है। यह आहू नदी से मिल जाती है। दक्षिण में चंबल नदी का प्रभाव क्षेत्र है। रेवा नदी के प्रभाव क्षेत्र और चंबल नदी के प्रवाह क्षेत्र के बीच टीलानुमा भूमि है। इसकी अधिकतम ऊंचाई भी काफी कम है। गांधीसागर बांध का एफटीएल (पूर्णभराव स्तर) शिक्षा मंत्री मदन दिलावर और स्थानीय इंजीनियर इंदौर में मध्यप्रदेश के जलसंसाधन मंत्री से चर्चा करते हुए। भास्कर नॉलेज गांधीसागर बांध का अतिरिक्त पानी वर्षों से समुद्र में जा रहा आरएल 400 मीटर है। भानपुरा क्षेत्र का लेवल आरएल 400 मीटर से कम है। भानपुरा क्षेत्र में सिंचाई के लिए गांधीसागर बांध से जलनिकासी के लिए उक्त टीले में से नहर निकालकर क्षेत्र को सिंचित किया गया है। गांधीसागर बांध में पर्याप्त पानी है। पूर्ण उपयोग नहीं होने से प्रतिवर्ष काफी मात्रा में पानी शेष रह जाता है। भराव पूर्ण होने पर विगत वर्षों में पानी की आवक के दृष्टिगत अतिरिक्त पानी बांध से ओवरफ्लो होकर चंबल नदी में प्रवाहित होता हुआ समुद्र में पहुंच (बंगाल की खाड़ी तक) जाता है। गांधीसागर बांध से गरोठ और भानपुरा में सिंचाई सुविधा की परियोजना बनी हुई है। भानपुरा में रेवा नदी पर रेवा बैराज बनाकर गांधीसागर से प्राप्त पानी को डायवर्जन कर म.प्र.-राजस्थान सीमा से लगाते हुए सीमावर्ती क्षेत्र में नहरों के माध्यम से सिंचाई की जा रही है। गांधीसागर बांध से फीडर चैनल योजना का प्रस्ताव रामगंजमंडी के डार्क जोन में भूमिगत जलस्रोतों के अभाव में क्षेत्र की हजारों हैक्टेयर कृषि योग्य भूमि असिंचित है। विगत वर्षों में ताकली बांध से 7 हजार 500 हैक्टेयर क्षेत्र की सिंचाई क्षमता सृजित की गई है। अन्य छोटी-छोटी लिफ्ट परियोजनाओं के माध्यम से 1060 हैक्टेयर के लिए परियोजनाएं प्रगतिस्त हैं। वहीं, 11 हजार 200 हैक्टेयर के लिए परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। इसके बाद भी क्षेत्र में 20 हजार हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि असिंचित शेष रह जाती है। इसके लिए कोई योजना नहीं है। ऐसे में 12 हजार हैक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई गांधीसागर बांध से ही संभव है। यदि यह योजना साकार हुई तो रामगंजमंडी के वंचित क्षेत्र को सिंचित किया जा सकेगा। इसके परिणामस्वरूप क्षेत्र के किसानों का आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक विकास हो सकेगा। अतिरिक्त खाद्यान उत्पादन से राज्य एवं राष्ट्र के सकल घरेलू उत्पादन में भी वृद्धि हो सकेगी।

हज के पाक सफर पर जाने पर पूर्व अंजुमन सदर माजिद सलीम का किया इस्तकबाल

बारां (रॉयल पत्रिका) । हज 2026 के तहत हज के पाक व मुकद्दस सफर पर जाने वाले पूर्व अंजुमन सदर व पूर्व हज कमेटी बारां के चेयरमैन माजिद सलीम का रविवार को हाड़ौती एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी के पदाधिकारियों सहित कई सामाजिक संगठनों, दोस्तो ओर परिवारजनों ने माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर स्वागत किया। सोसायटी के जनरल सेकेट्री सईद अहमद पूर्व पार्षद ने बताया कि सोसायटी के सदर माजिद सलीम प्राइवेट हज ओर उमराह टूर एजेंसी द्वारा उनकी पत्नी शाहिस्ता सलीम के साथ हज के पाक सफर पर मंगलवार 12 मई को अपने घर से रवाना होंगे, 13 मई को दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उनकी सऊदी अरब के लिए उड़ान है। माजिद सलीम ने बताया कि हज पर जाने की तैयारियां चल रही है जरूरी सामान, दवाइयां सहित दस्तावेज संभाल कर रख रहे हैं ताकि इस पाक व मुकद्दस सफर के सभी फ़राइज़ को सही से अदा कर सके। इस्तकबालियां मौके पर हाड़ौती एजुकेशन एंड वैलफेयर सोसाइटी के खजांची एडवोकेट रईस हाशमी, सदस्य मोहम्मद सलाम मास्टर, अब्दुल सलाम चूडी वाले, सलीम भाई डिस्क वाले, गयासुद्दीन उर्फ सप्पू टायर, रहमान मोहम्मद, इक़बाल नेता, फारुख मोहम्मद, मास्टर मोहम्मद अमीर, मोहम्मद असलम एस्क्रायर, मुन्ना भाई टेलर, एजाज अंसारी, समाजसेवी नईम दानिश कोटा, मुन्ना पठान, आसिफ अंसारी, असलम मंसूरी, मोहम्मद एजाज सहित कई लोग उपस्थित रहे।

चूरू मजदूर यूनियन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया गया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर धर्म स्तूप के नजदीक जलदाय विभाग में श्रमिक नल मजदूर कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस बनाया गया। मेहनत कस मजदूरों द्वारा देश की उन्नति समृद्धि व खुशहाली में दिये जा रहे योगदान को नमन कर देश के समस्त कामगार व उनके परिवारजन को बधाई एवं शुभकामना देने के साथ उनकी आने वाली पीढ़ी आर्थिक सामाजिक व बौद्धिक विकास पर अग्रसित रहने के लिए भी शुभकामना देते हुए एक्स ई एन प्रेम कुमार, एईएन जिग्नेश कुमार, जेईएन संजय कुमार, जेईएन विजय कुमार, एवं इंटक जिला अध्यक्ष अयूब खान नल मज़दूर यूनियन, ओर इंटक जिला अध्यक्ष संजय कुमार गुर्जर, ने संबोधित करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस जिसे मई दिवस भी कहा जाता है। यह हर साल 1 मई को मनाया जाता है। यह दिन श्रमिकों के कठिन परिश्रम उनके अधिकारों और समाज के निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को समर्पित है इसकी शुरुआत 19 वीं सदी में 8 घंटे कार्य दिवस की मांग के साथ हुई थी। भारत में पहली बार 1923 में चेन्नई में मनाया गया था। तभी से हम मजदूर दिवस कहते हैं। पुष्कर दत्त शर्मा, कुंदन मल सैनी, सुमेर सिंह, धर्म दत्त, हरिप्रसाद, बनवारी लाल खारिया, रामेश्वर प्रसाद, किशन लाल, सांवरमल, श्रवण, राकेश कुमार, अनिल कुमार, राजकुमार, नरपत, शंकर लाल प्रजापत आदि एवं समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय तलवारबाजी चैंपियनशिप नवांकुर स्कूल चुरु में सम्पन्न

चुरू (रॉयल पत्रिका)। जिला तलवारबाजी संघ की ओर से प्रथम जिला स्तरीय तलवारबाजी चैंपियनशिप चुरू शहर के नवांकुर शीशु अकेडमी उच्च माध्यमिक विद्यालय, अगुणा मोहल्ला में आज मौलाना आजाद स्पोर्ट्स अकेडमी के द्वारा आयोजित की गई। आयोजन सचिव डॉ. कादिर हुसैन ने बताया कि इस प्रतियोगिता में सब जुनियर अंडर 14, कैडेट अंडर 17, जुनियर अंडर 20 छात्र छात्राओं, सिनियर महिला एवं पुरुष तलवारबाजी प्रतियोगिता में फोईल, इपी एवं सेबर प्रत्येक में जिला स्तरीय प्रतियोगिता में जिया राठौड़, सिद्धी राठौड़, मोहम्मद रिजवान गौरी मेडल विजेता रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर कादिर हुसैन ने कि मुख्य अतिथि मोहम्मद नियाज खान पुर्व जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी चुरू, विशिष्ट अतिथि मोहम्मद रमजान खान व अब्दुल हमीद सेवा निवृत्त शिक्षाविद् ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया। मेडल विजेता को राजस्थान तलवारबाजी प्रतियोगिता जो 7 मई से केकड़ी-

अजमेर में आयोजित होगी में भेजा जाएगा। इस चैंपियनशिप में कोच रविन्द्र सिंह राठौड़, मोहम्मद अली पठान, नेहा सोनी प्रधानाध्यापिका, मौलाना लुकमान सिंधी, चन्द्र कला भार्गव, बिंदीया प्रजापत, उर्मिला भार्गव रेखा देवी, वंदना देवी, माया देवी, सरिता कुमारी, चंदा कुमारी, रचना कुमारी, सुनीता कुमारी, चंद्रकला राजपूत, तालिब भाटी, अहमद खोखर, पंकज राजपूत, संहित सैकड़ों खिलाड़ी एवं दर्शकों ने उपस्थित रहकर तलवारबाजी का आनंद लिया। मंच संचालन प्रधानाध्यापिका सुश्री नेहा सोनी ने किया। विद्यालय निदेशक मोहम्मद रमजान खान ने उपस्थित खिलाड़ी, अतिथियों एवं जनसमूह का आभार व्यक्त किया।

जिला स्तरीय तलवारबाजी चैम्पियनशिप में जिया राठौड़ एवं सिद्धि राठौड़ ने स्वर्ण पदक हासिल किया

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। नवांकुर शिशु अकादनी सी. सै. स्कूल प्रांगण में प्रथम राज्य स्तरीय तलवार बाजी चैंपियनशिप का आयोजन किया गया जिस की अध्यक्षता जिला तलवार संघ के अध्यक्ष डॉ. कादिर हुसैन ने की मुख्य अतिथि जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी रिटायर्ड नियाज मोहम्मद खान रहे एवं शिक्षाविद मोहम्मद हमिद खान, स्कूल डायरेक्टर रमजान खान अतिथि रहे। कार्यक्रम में स्कूल स्टाफ द्वारा फूल माला व साफा बांधकर अतिथियों का स्वागत किया गया। कोच रविंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि यह तलवारबाजी चुरू जिले की प्रथम तलवारबाजी का कार्यकरम है जीस में दो बहनों ने स्वर्ण पदक जिता है। ओर ज़िले का नाम रोशन किया है। जिया राठौड़ जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक विजेता रही है। तो छोटी बहन सिद्दी राठौड ने सब. जुनीयर वर्ग सेबर में स्वर्ण पदक हासिल किया। जिया व सिदि राठौड़ चुरू जिले के राजगढ तहसील के छोटे से गांव ठिभाऊ बड़ी की निवासी है। दोनो बहनों ने राष्ट्रीय पदक स्तर पर भी भाग लेकर तीनों कैटेगरी में गोल्ड मेडल हासिल किया है। ओर अपने जिले व गाव ठिभाऊ का नाम रोशन किया है 31 वा राज्यस्तर पर अजमेर में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने जिले का प्रतिनिधित्व करेगी। आयोजक रमजान खान ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रिंसिपल नेहा सोनी ने किया।

आला हजरत दीनी लाईब्रेरी एंड इस्लामिक रिसर्च सेंटर का हुआ उद्घाटन

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। शहर के मुस्लिम मुसाफिर खाना में मुफ्ती-ए-आजम राजस्थान शेर मोहम्मद साहब ने आला हजरत दीनी लाईब्रेरी एंड इस्लामिक रिसर्च सेंटर का उद्घाटन किया। इस मौके पर मौलाना सत्तार कादरी सहित शहर मौजिज लोग मौजूद रहे।

मुस्लिम युवा फाउंडेशन समिति ने गरीब नवाज प्याऊ का किया उद्घाटन

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। कई दिनों से पाली सीटी में तेज गर्मी हो रही है इस गर्मी को देखते हुए मुस्लिम युवा फाउंडेशन समिति ने एक बड़ा कदम उठाया सभी शहर वासियों और बे जुबान परिंदों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था की गई मस्तान बाबा दरगाह के आगे व्यास कॉलोनी कशफी पिया की दरगाह के पास अध्यक्ष मेहराज अली चूड़ीगर के नेतृत्व में गरीब नवाज प्याऊ की स्थापना की गई। जिसका उद्घाटन मेहमान-ए-खुसूसी हजरत मुफ्ती शेर मोहम्मद के हाथों से किया गया। साथ ही ईदगाह के इमाम मौलाना दानिश रजा, मौलाना सत्तार, हाफिज तोसिफ रजा, सलीम भाई फ्रूट वाले, जहीर भाई मकरानी, अय्यूब भाई सुलेमानी, सत्तार भाई भाटी, जाकिर भाई गोरी, आरिफ, इस्माईल गोरी, सय्यद अबूबकर, अकरम, फिरोज सामरिया, हुसैन अजमेरी, समीर मोयल, जावेद जिलानी वसीम भाटी, मोहम्मद साजिद जीएन, अकरम शाह अशरफी, गुड्डू भाई, अरबाज खान, युसुफ तिलजी वाला,फकीर मो., मौसिन भाई, सद्दाम सिलावट, रिजवान, नौशाद भाई आदि ने शिरकत कर के इस नेक काम में हमारा साथ दे कर पूरे शहर में एकता की मिसाल कायम की।

दरगाह हज़रत पीर डाडा मलिक शाह दातार चितलवाना का उर्स संपन्न

-राव मोहनसिंह चितलवाना की मौजूदगी चादर चढ़ाकर मांगी अमन चैन शांति की दुआ

चितलवाना (रॉयल पत्रिका) । उपखंड मुख्यालय पर स्थित मशहूर दरगाह हज़रत पीर डाडा मलिक शाह दातार रहमतुल्ला अलेह के उर्स मुबारक में नेहड़ सहित आस पास के इलाकों से उमड़ी जायरिनों की भीड़ आस्था और श्रद्धा के साथ वार्षिक उर्स संपन्न हुआ। दरगाह सदर नजीर खा मरटूवा ने बताया के उर्स मुबारक में सैकड़ो लोग नेहड़ सहित कई गांवों से मन्नते लेकर जायरीन दरगाह पर पहुंचे और चादर पेश कर अमन-चैन, खुशहाली ओर क्षेत्र की तरक्की की दुआ मांगी। पूरे दिन दरगाह परिसर जायरिनों की भीड़ से गुलजार रहा। कार्यक्रम का आयोजन पीर सैयद नेमतुल्लाह शाह जिलानी सुजा शरीफ की सरपरस्ती में आयोजन हुआ। इस दौरान नर्मदा नहर परियोजना अध्यक्ष राव मोहनसिंह चितलवाना मेहमाने खुसूसी की मौजूदगी में एवं नाजिमे आला नबी बक्स सरवरी दारुल उलूम फैजे सरवरी उच्च प्राथमिक विद्यालय पीर की जाल सहित कई गणमान्यजन उपस्थित रहे। नमाजे असर के बाद संदल और चादर की रस्म अदा की गई। रात्रि में ईशा नमाज बाद उलमाए किराम के नूरानी बयानात से महफिल में सबके दिलों को नूरानी फेज से मुंवर कर दिया। मशहूर दरगाह कव्वालों ने एक से बढ़कर एक सूफियाना कलाम पेश कर जायरिनों को झूमने पर मजबूर कर दिया। दरगाह परिसर और आसपास अस्थाई दुकान की सजावट रही तथा जायरिनों के लिए पेयजल, रोशनी और बैठने की विशेष विशेषता की गई और भामाशाह की तरफ से लंगर खाने का भी इंतजाम किया गया। दरगाह के आशिकों ने दिल खोल के सहयोग प्रदान करते हुए उर्स मुबारक को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौरान मौलाना हाशम दल अकबरी सदर मुद्ररिश दारूल उलूम फैजे सरवरी पीर की जाल, मौलाना अब्दुल शकूर सिद्दीकी, मौलाना अब्दुल रसूल सिद्दीकी पेश इमाम वेडिया, कारी अली असगर सिद्दीकी, सलीम चडवा चितलवाना, मुश्ताक खान रातोडा, खादिम कालू भाई लोहार जोधपुर, खजांची मोहम्मद यूसुफ चढ़वा, मुजावर नूर शाह सहित बड़ी संख्या में जायरीन और क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे। उर्स मुबारक के आयोजन में एक बार फिर सांप्रदायिक सौहाद्र और भाईचारे का संदेश देते हुए क्षेत्र में आपसी प्रेम और एकता की मिसाल पेश की है, क्षेत्र में अमन चैन शांति बनी रहे दुआ मांगी कर एकता की मिसाल पेश की है।

सही समय में सही वित्तीय निर्णय अत्यन्त आवश्यक - केड़िया

-मौलाना आजाद विवि के वाणिज्य संकाय में क्रेडिट अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। बी.एफ.एस.आई. सेक्टर स्किल काउन्सिल ऑफ इण्डिया की ओर से मौलाना आजाद विश्वविद्यालय जोधपुर में मंगलवार को 'क्रेडिट अवेयरनेस कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। ये राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के तहत एक शीर्ष संगठन है, जो भारत में बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र के लिए कुशल कार्यबल तैयार करने के लिए काम करता है। बी.एफ.एस.आई. का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को बैंकिंग और इससे सम्बन्धित विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित करना है। इस कार्यक्रम में बैंकिंग, वित्त, बीमा, निवेश, जोखिम प्रबन्धन, कम्प्यूटर अनुप्रयोग एवं आई.टी. विषय शामिल किये गये। भारत में बैंकिंग क्षेत्र तेजी से विकास कर रहा है। यह कार्यक्रम बी.एफ.एस.आई. एस.एस.सी. (एस.पी.ओ.सी.) पंकज मिश्रा के दिशा-निर्देश पर आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं प्रशिक्षक अनमोल केड़िया ने विद्यार्थियों से कहा कि वर्तमान में युवा वर्ग को वित्तीय जागरूकता, क्रेडिट मैनेजमेन्ट और निवेश के बारे में जानना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि आज सही समय में सही वित्तीय निर्णय लेना अत्यन्त आवश्यक हो गया है साथ ही क्रेडिट स्कोर, एस.आई.पी. लोन प्रबन्धन और बचत की आदतों पर विशेष जोर देते हुए सही सलाह लेने की अपील की। यूनिवर्सिटी डीन एकेडमिक्स डॉ. इमरान खान पठान ने कहा कि वर्तमान में बचत के महत्व को जानना आवश्यक है। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. निरंजन कुमार बोहरा ने विद्यार्थियों को इस तरह के कार्यक्रम में भाग लेते हुए व्यावहारिक एवं प्रेक्टिकल ज्ञान हासिल करने पर जोर दिया। वाणिज्य संकाय असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अब्दुल्लाह खालिद ने पूर्व में प्रशिक्षक अनमोल केडिया का परिचय व कार्यक्रम की उपयोगिता के बारे में बताया। कार्यक्रम मे बीपीटी, बीएससी बीएड, बीए बीएड़ के असिस्टेंट प्रोफेसर समृद्धि सचदेवा, डॉ. अशोक भार्गव, डॉ. फराह, मुजफ्फर, फरहाना एवं वाणिज्य संकाय सहित सभी संकायों के विद्यार्थी उपस्थित रहे। सहयोगी अज़हरूदीन, यशपाल, रवि एवं भोजराज का खास सहयोग रहा। संचालन डॉ. अब्दुल्लाह खालिद ने किया।

समाज सेवी रियाजत खान का बंधन बैंक ने किया सम्मान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर सोमवार को सायं बंधन बैंक परिसर में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें समाजसेवी रियाजत खान का सम्मान किया गया। बैंक के मैनेजर दिलीप विशिष्ट ने उन्हें सम्मानित करते हुए उनके सामाजिक कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर बैंक प्रबंधन ने उपस्थित लोगों को बैंक की विभिन्न सेवाओं और योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी। विशेष रूप से बताया गया कि यह देश का एकमात्र बैंक है, जो करंट अकाउंट पर भी ब्याज प्रदान करता है, जो ग्राहकों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा है। कार्यक्रम में रेलवे ठेकेदार अरविन्द शर्मा, समाजसेवी व बैंक के वरिष्ठ खातेदार शेखर शर्मा, उमेश कुमार सैनी, दिवाकर शर्मा, शक्ति सिंह, सतेंद्र शर्मा, मोहम्मद सफी, अजय सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का माहौल सौहार्दपूर्ण रहा और सभी ने इस पहल की सराहना की।

इंजि. इंसाफ आजाद द्वारा इमरान प्रतापगढ़ी के मार्ग-दर्शन में गुजरात निकाय चुनाव में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग का ऐतिहासिक प्रदर्शन

-प्रदेश नेतृत्व एवं कार्यकारिणी के प्रयासों की सराहना की

कोटा (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) के राष्ट्रीय संयोजक, अनुशासनात्मक समिति के सदस्य एवं गुजरात प्रदेश के प्रभारी इंजि. इंसाफ अली आज़ाद के निजी सचिव द्वारा 29 अप्रैल 2026 को एक विस्तृत प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई। जिसमें अवगत कराया गया कि गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग ने हाल ही में संपन्न निकाय चुनावों में अत्यंत प्रभावशाली, उल्लेखनीय एवं ऐतिहासिक प्रदर्शन दर्ज किया है। यह उपलब्धि न केवल संगठन की जमीनी मजबूती को दर्शाती है, बल्कि कांग्रेस पार्टी की जनोन्मुखी नीतियों और विचारधारा पर जनता के बढ़ते विश्वास का भी स्पष्ट प्रमाण है। इस शानदार सफलता का श्रेय माननीय इमरान प्रतापगढ़ी, सांसद (राज्यसभा) एवं चेयरमैन, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दूरदर्शी नेतृत्व, सतत मार्गदर्शन एवं संगठनात्मक रणनीति को दिया गया है। उनके नेतृत्व में अल्पसंख्यक विभाग ने बूथ स्तर तक सशक्त संगठन खड़ा कर जनसंपर्क अभियान को नई दिशा दी, जिससे व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हुआ। यह भी विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष वज़ीर खान पठान एवं उनकी समस्त कार्यकारिणी ने इन अभूतपूर्व परिणामों को प्राप्त करने हेतु अथक परिश्रम, प्रभावी समन्वय एवं रणनीतिक योजना के साथ निरंतर कार्य किया। प्रदेश नेतृत्व की सक्रियता, संगठनात्मक अनुशासन एवं कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय ने इस सफलता में निर्णायक भूमिका निभाई। विज्ञप्ति में आगे कहा गया कि अल्पसंख्यक विभाग के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने क्षेत्रीय मुद्दों, सामाजिक सरोकारों एवं जनहित से जुड़े विषयों को प्राथमिकता देते हुए घर-घर संपर्क अभियान चलाया। पार्टी की नीतियों, उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से आमजन तक पहुँचाया गया, जिसके सकारात्मक परिणाम चुनावों में परिलक्षित हुए।

भारतीय जनता पार्टी का नवनिर्मित जिला कार्यालय का वर्चुअल उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने किया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर रामसरा रोड़ स्थित नवनिर्मित भाजपा जिला कार्यालय चूरू का वर्चुअली उद्घाटन भाजपा के राष्ट्रिय अध्यक्ष नितिन नवीन ने टोंक से किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेषाध्यक्ष मदन राठौड़, प्रदेष संगठन प्रभारी राधामोहन अग्रवाल सहित अनेक मंत्री एवम् जनप्रतिनिधि उपस्थित रहें। इसी क्रम में चूरू रामसरा रोड़ स्थित नवनिर्मित भाजपा कार्यालय चूरू का उद्घाटन कार्यक्रम में खाध्य आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, विधायक हरलाल सहारण, जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, जिला संगठन प्रभारी विजय आचार्य, सहप्रभारी आत्माराम तरड़, पूर्व जिलाध्यक्ष पंडित बनवारी लाल शर्मा, ओम सारस्वत, धर्मवीर पुजारी सहित अनेक वरिष्ठ नेता जनप्रतिनिधि, जिला पदाधिकारी, मण्डल अध्यक्ष, मण्डल कार्यकारिणी सदस्य एवम् जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बोलते हुऐ मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि कार्यालय पार्टी के कार्यो का आधार होता है। कार्यालय निर्माण से पार्टी की गतिविधियों को गति मिलती है। उन्होने कहा कि कार्यालय निर्माण की गतिविधियों को तत्कालीन राष्ट्रिय अध्यक्ष अमित शाह के द्वारा इसकी परिकल्पना की गई थी।

जो धीरे धीरे साकार हो रही है। उन्होने डबल इंजन सरकार के कार्यो की चर्चा करते हुऐ कहा कि आज भारत का प्रत्येक व्यक्ति भाजपा की विचारधारा से जुड़ना चाहता है। क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन देश के प्रत्येक व्यक्ति के कल्याण का है। उन्होने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में युवा महिला एवम् किसान को केन्द्र में रखकर कार्य कर रही है। जिससे प्रदेश विकसित प्रदेश बनने की और चल पड़ा है। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि कार्यालय निर्माण से कार्यकर्ताओ की उम्मीदो को पंख लगे है। आधुनिक सुविधाओं से युक्त कार्यालय के निर्माण से पार्टी की गतिविधियां सुचारू रूप से चल पायेगी।

उन्होने कहा कि भाजपा एक राष्ट्रवादी दल है। हम सब को भाजपा परिवार के सदस्य के रूप में गर्व का अनुभव होता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सषक्त नेतृत्व देष को विकसित राष्ट्र के रूप में ले जा रहा है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने सभी कार्यकर्ताओ को शुभकामनाऐं बधाई देते हुऐ कहा कि यह कार्यालय छोटे से छोटे कार्यकर्ता के लिए संस्कार केन्द्र के रूप में कार्य करेगा। यहां जिन सुविधाओं को लागू किया गया है इससे भाजपा के कार्य हाईटेक हो जायेगे और डबल इंजन सरकार के द्वारा जो जनहित की नितियां बनाई जा रही है। उनको नीचे तक लागू करने में योगदान दिया जा सकेगा। इससे पूर्व जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने पंडीत रविप्रकाश दाधीच एवम् रजत व्यास के आचार्यत्व में अपनी पत्नि पार्षद शशिकला शर्मा के साथ पूजा अर्चना कर वैदिक मंत्रोचारण के साथ कन्या पूजन कर नवीन कार्यालय में प्रवेश किया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अभिषेक चोटिया ने किया।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवा, लोकसभा प्रत्याशी देवेन्द्र झाझड़िया, सुमित्रा पूनियां, संतोष मेघवाल, राकेष जांगिड़, निर्वतमान जिला प्रमुख वन्दना आर्य, महेन्द्र न्यौल, जिला महामंत्री चन्द्राराम गुरी, जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र काछवाल, भास्कर शर्मा, नरेश सहारण, नरेन्द्र सैनी, जिला मंत्री प्रभा धंधावत, दीनदयाल सैनी, सत्तार खांन, कौशल पूनियां, संदीप काजला, पवन माहेष्वरी, जिला कोषाध्यक्ष सुभाष जांगिड़, बालकृष्ण राजगढ़िया, एससी मोर्चा प्रदेश मंत्री सीताराम लुगरिया, मधुसुदन राजपुरोहित, जिला आईटी संयोजक रमेश शर्मा, सोशल मीडिया संयोजक अभय सोनी, इलियास खान झारिया, सुरेश मिश्रा, नोमान खांन, भारत पारीक, सूर्यप्रकाष ढाका, संदीप पाटील, विजय शर्मा, गोगराज सैनी, मनीष दाधीच, महेष मिश्रा, सुरेश सारस्वत, विमला गढ़वाल, धर्मेन्द्र राकसिया, विजय कस्वां, सुप्यार सिंह, दौलतराम प्रजापत, निर्मल सैन, राकेश तालणिया, भाजयुमो जिलाध्यक्ष गोपाल बालाण, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष अख्तर खांन, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाष खीचड़, एसटी मोर्चा जिलाध्यक्ष अभिमन्यू मीणा, विक्रम कोटवाद फतेहचन्द सोती, दौलत तंवर, रजत शर्मा, हरिष वर्मा, कमल सैनी, दीनदयाल खारड़िया,महावीर पूनिया, राजकरण चैधरी, बजरंग गुर्जर, संदीप लुगरिया, राजेन्द्र कल्ला, भाजयुमो जिला महामंत्री जयपाल सिंह टकणेत, नितिन प्रजापत, आकाष सैनी, ओम सिंह शेखावत, ओम इन्दोरिया, गिरधारी पारीक, जमरदीन तेली, राकेष शर्मा, अनूप खण्डेलवाल, विधाधर शर्मा सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नियमों को दरकिनार कर दौड़ती बसें, परमिट और टाइमिंग पर फिर उठे सवाल

-दोबारा सामने आया वही मामला

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के सिंधी कैम्प से डेह (नागौर) रूट पर बसों के अवैध संचालन का मामला एक बार फिर चर्चा में है। शिकायत के मुताबिक वाहन संख्या RJ37PA3900, RJ-13PA9969 और RJ37PA3637 लगातार रूट बदल-बदल कर चलाई जा रही हैं। पहले भी इस मुद्दे पर सवाल उठे थे, लेकिन हालात में कोई खास सुधार नहीं दिख रहा, जिससे परिवहन व्यवस्था पर सवाल और गहरे हो गए हैं।

तय समय से पहले संचालन

जानकारी के अनुसार इन बसों का निर्धारित समय जयपुर से दोपहर 2:50 बजे का है, लेकिन ये बसें सिंधी कैम्प से करीब 2:10 बजे ही रवाना हो जाती हैं। आगे चौमू पुलिया से लगभग 2:30 बजे और बस्सी टोल से 3:20 बजे गुजरती हैं। बिना अधिकृत टाइम टेबल के इस तरह संचालन नियमों की अनदेखी को दर्शाता है।

परमिट सीमा से बाहर संचालन

परिवहन नियमों में 2023 के संशोधन के अनुसार केवल 24 किलोमीटर तक ही अतिरिक्त रूट जोड़ा जा सकता है। लेकिन शिकायत में दावा है कि इन बसों में 72 और 30 किलोमीटर तक का अतिरिक्त रूट अवैध रूप से जोड़ा गया है। इससे साफ है कि परमिट की शर्तों का पालन नहीं किया जा रहा।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पर भी सवाल

वाहन संख्या RJ13PA9969 को लेकर भी गंभीर आरोप सामने आए हैं। बताया जा रहा है कि यह बस सरकारी बॉडी गाइडलाइन मानकों का पालन किए बिना और अधूरे दस्तावेजों के आधार पर श्रीगंगानगर RTO में रजिस्टर की गई है। इस पर जांच कर RC निरस्त करने की मांग तेज हो रही है।

टैक्स भुगतान में ढिलाई

यह भी आरोप है कि बस संचालक नियमित रूप से परमिट टैक्स जमा नहीं करते। शिकायत होने पर ही अस्थायी रूप से टैक्स जमा कराया जाता है। इससे साफ होता है कि नियमों की निगरानी और पालन दोनों में कमी है।

संरक्षण और दबाव की बातें

स्थानीय लोगों का कहना है कि बस संचालकों को कुछ प्रभावशाली लोगों का समर्थन प्राप्त है। इसी वजह से कार्रवाई में ढिलाई बरती जा रही है। विरोध करने पर शिकायतकर्ताओं को धमकियां मिलने की भी बात सामने आई है।

सख्त कार्रवाई की मांग फिर तेज

मामले के दोबारा सामने आने के बाद अब परिवहन विभाग से सख्त कार्रवाई की मांग उठ रही है। लोगों का कहना है कि परमिट, टाइम टेबल और टैक्स की गहराई से जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए, ताकि नियमों का पालन सुनिश्चित हो सके और इस तरह की अनियमितताओं पर रोक लगे।

भामाशाह ने दान की थी सिटी स्कैन मशीन

-दो साल से धूल फांक रही है

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। सांचौर के ट्रॉमा सेंटर में रखी सिटी स्कैन मशीन पिछले दो वर्षों से केवल धूल फांक रही है। मरीजों को अत्यंत आवश्यक इस सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। भामाशाह द्वारा ट्रॉमा सेंटर के उद्घाटन के दौरान दान की गई यह मशीन विभाग की अनदेखी और बजट के अभाव के चलते शुरू नहीं हो पाई है। पहले विभाग में टेक्नीशियन की नियुक्ति नहीं होने के कारण बताया था, लेकिन डेढ़ साल पहले टेक्नीशियन नियुक्त हो चुका है। अब सिटी स्कैन मशीन को लागू करने के लिए विभाग बजट नहीं होने का हवाला दे रहा है। इसके कारण मरीजों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सुविधाओं के अभाव में मरीजों को निजी सोनोग्राफी सेंटर पर महंगी दामों में स्कैन करवाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। यह स्थिति विभाग की कार्य प्रणाली पर गंभीर सवाल उठाती है। जनता और मरीज का सवाल है कि जब भामाशाह ने मशीन दान दी थी तो अब तक इसकी अनदेखी क्यों की जा रही है। स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को इस मामले में तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है ताकि सांचौर के मरीजो को समय पर और सस्ती चिकित्सा सेवा मिल सके। दर-दर की ठोकरें मरीज खा रहे थे तो भामाशाह ने यह मशीन भेंट की थी, लेकिन विभाग को कोई परवाह नहीं। मरीजो को महंगी जांच करवाने पर मजबूर किया जा रहा है। विभागीय अधिकारी गंभीर सवालों के घेरे में आखिर क्यों नहीं शुरू की जा रही सिटी स्कैन मशीन?

गरीब मुस्लिम परिवार की बेटी निशाद बानो ने जीता गोल्ड मेडल, बनी हजारों बेटियों की प्रेरणा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान यूनिवर्सिटी के 35वें दीक्षांत समारोह में शिक्षा और उपलब्धियों का भव्य नज़ारा देखने को मिला। इस अवसर पर कुल 2.71 लाख विद्यार्थियों को 24 सिक्योरिटी फीचर्स से लैस डिग्रियां प्रदान की गईं, जो विश्वविद्यालय की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

गोल्ड मेडल में बेटियों की चमक

समारोह में 250 मेधावी विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल दिए गए, जिनमें 197 छात्राएं और 53 छात्र शामिल रहे। यह आंकड़ा साफ दर्शाता है कि आज बेटियां शिक्षा के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रही हैं और नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं।

भट्टा बस्ती की निशाद बानो बनी मिसाल

जयपुर के भट्टा बस्ती क्षेत्र की रहने वाली निशाद बानो ने M.Com (ABST) में गोल्ड मेडल हासिल कर अपने परिवार और इलाके का नाम रोशन किया। साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाली निशाद के पिता मोहम्मद साबिर खान गार्ड की नौकरी करते हैं, लेकिन सीमित आय के बावजूद उन्होंने बेटी की पढ़ाई में कोई कमी नहीं आने दी।

संघर्ष, मेहनत और सेल्फ स्टडी का सफर

निशाद ने बी. कॉम रेगुलर करने के बाद आर्थिक तंगी के कारण एम. कॉम प्राइवेट से किया। उन्होंने रोज़ाना करीब 4 घंटे सेल्फ स्टडी कर यह मुकाम हासिल किया। 2021-22 में पढ़ाई छूटने के बाद भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और 2023 में दोबारा शुरुआत कर गोल्ड मेडल तक का सफर तय किया।

अब CA बनने का सपना

निशाद बानो का अगला लक्ष्य चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA) बनना है। उनका मानना है कि आज के समय में महिलाओं का आत्म निर्भर होना बेहद जरूरी है। उनकी यह सफलता उन सभी के लिए प्रेरणा है जो सीमित संसाधनों में भी बड़े सपने देखने की हिम्मत रखते हैं।

विधानसभा अध्यक्ष ने कोटड़ा सैटेलाइट अस्पताल का किया निरीक्षण

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने रविवार को अजमेर जिले के कोटड़ा में निर्माणाधीन 50 बेड के बहुमंजिला सैटेलाइट चिकित्सालय का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य की प्रगति और गुणवत्ता का बारीकी से जायजा लिया। देवनानी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य तय समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए, ताकि क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने भवन निर्माण में उपयोग हो रही सामग्री जैसे सीमेंट और सरिया की गुणवत्ता की जांच पर जोर दिया और किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की हिदायत दी। साथ ही नियमित मॉनिटरिंग के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने, अतिरिक्त श्रमिक लगाने और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए तृतीय पक्ष सत्यापन भी अनिवार्य बताया।

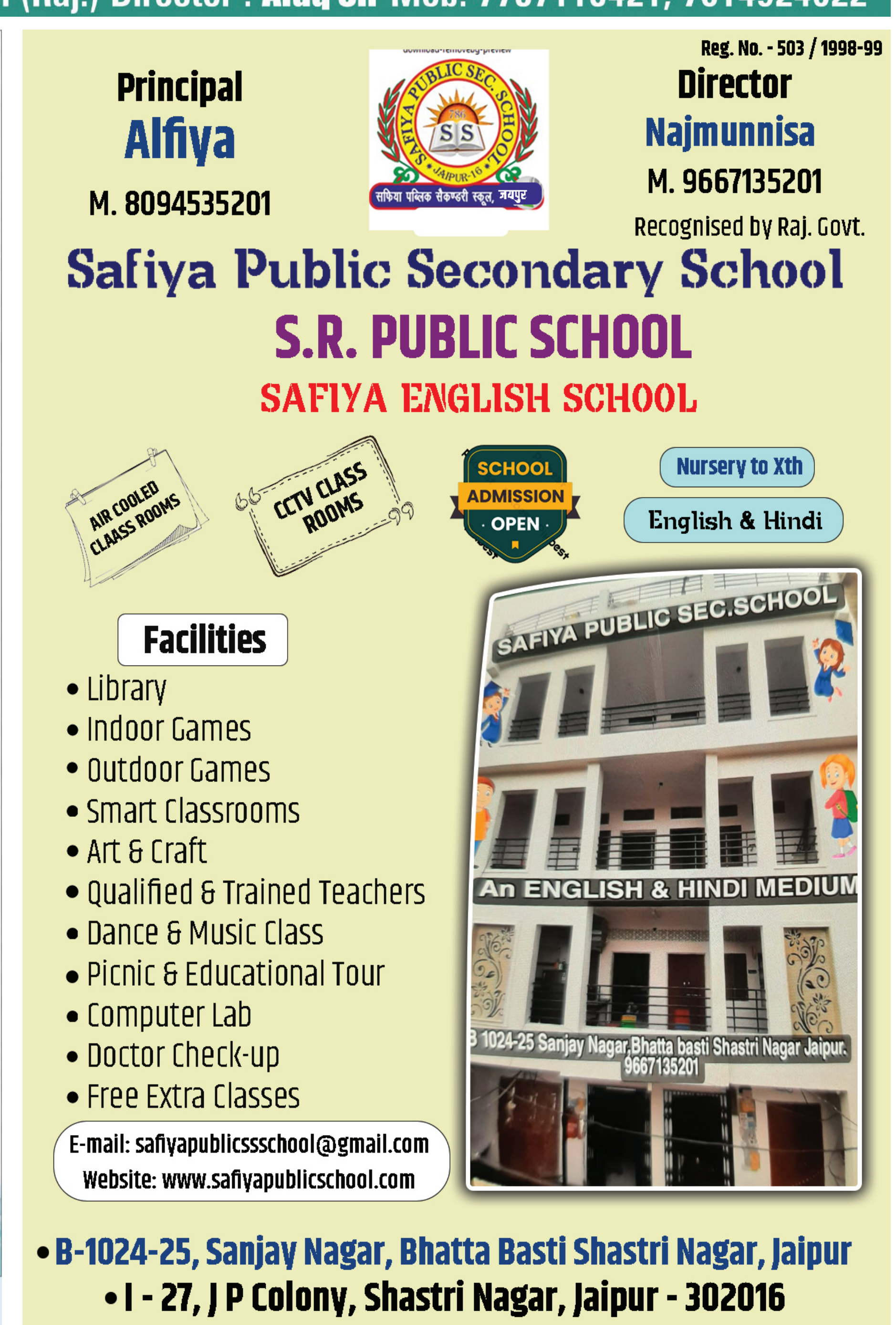

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये अम्बर ऑफसेट प्राईवेट लिमिटेड, 3 A, डी.एल. टॉवर, विध्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल:rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com